दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

बलरामपुर
रविवार, 18 जनवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 106 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रोमांस की नई परिभाषा है एक दिन, ...8

बंगाल में अब नहीं चलेगा टीएमसी का तुष्टिकरण

मालदा रैली से पीएम मोदी का सीधा संदेश

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्वी भारत दशकों से घृणा की राजनीति के कारण पिछड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि ऐसी राजनीति विकास को रोकती है और लोगों को अवसरों से वंचित करती है। उन्होंने आगे कहा कि इस क्षेत्र की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए विकास–केंद्रित शासन आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रहा है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूर्वी भारत का विकास आवश्यक है। मालदा में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों में समावेशी विकास एक षविकसित भारतष के निर्माण की कुंजी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिवेंदु शेखर राय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मालदा की पहचान को संरक्षित करने में उनके प्रयासों की सराहना की। एक जनसभा में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने क्षेत्र के लिए राय के योगदान को स्वीकार किया और स्थानीय विरासत को विकास और सांस्कृतिक गौरव की व्यापक कहानी से जोड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और हिंसा की पार्टी के रूप में बेनकाब हो चुकी है।

पीएम मोदी ने मालदा से देश को दी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सौगात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मालदा से भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो भारतीय रेलवे के चल रहे आधुनिकीकरण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस वंदे भारत एक्सप्रेस का स्लीपर संस्करण हावड़ा–गुवाहाटी (कामाख्या) मार्ग पर चलेगा। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का शुभारंभ पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर के बीच संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू की गई कई प्रमुख रेल और अवसंरचना पहलों का हिस्सा है। नई वंदे भारत सेवा के अलावा, पश्चिम बंगाल के सबसे महत्वपूर्ण रेलवे केंद्रों में से एक, न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय सुविधा में उन्नत बनाने के लिए कई विकास कार्य वर्तमान में चल रहे हैं। मालदा पहुंचने पर, प्रधानमंत्री मोदी ने स्लीपर ट्रेन के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित छात्रों, रेलवे कर्मचारियों और ट्रेन चालकों से बातचीत की। विशेष रूप से रात्रिकालीन और लंबी दूरी की यात्राओं के लिए डिजाइन की गई यह ट्रेन, यात्रा के समय को कम करने के साथ–साथ बेहतर आराम, सुरक्षा और विश्वसनीयता प्रदान करने की उम्मीद है।

सीएम योगी का विपक्ष पर बड़ा हमला

काशी को बदनाम करने के लिए कांग्रेस फैला रही एआई वीडियो का झूठ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रत्येक भारतीय द्वारा पूजनीय शाश्वत नगरी काशी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11–11.5 वर्षों में अभूतपूर्व पुनरुत्थान देखा है। काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना करने के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि काशी की प्राचीन आध्यात्मिक पहचान को संरक्षित करते हुए इसे एक आधुनिक वैश्विक धरोहर शहर में रूपांतरित करने के लिए 55,000 करोड़ रुपये से अधिक की व्यापक विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इस प्रक्रिया में श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है और राष्ट्रीय जीडीपी में इसका 1.3 लाख करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण योगदान है। योगी ने कहा कि काशी अविनाशी है। प्रत्येक भारतीय काशी के प्रति असीम श्रद्धा रखता है, लेकिन स्वतंत्र भारत में काशी को जिस व्यापक विकास कार्यक्रम का सम्मान मिलना चाहिए था, वह नहीं मिला। पिछले 11–11.5 वर्षों में काशी ने भौतिक विकास कार्यों के माध्यम से नई ऊंचाइयों को छूते हुए अपनी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को एक बार फिर संरक्षित और बढ़ावा दिया है। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि काशी का प्रतिनिधित्व देश की संसद में प्रधानमंत्री मोदी करते हैं। उन्होंने शुरू से ही इस विषय पर कहा है कि काशी के प्राचीन स्वरूप को संरक्षित किया जाना चाहिए और इसे देश और दुनिया के सामने एक नए रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, और इसी के अनुरूप पिछले 11–11.5 वर्षों में काशी के लिए योजनाएँ शुरू की गईं। मुख्यमंत्री योगी ने आगे बताया कि काशी के लिए 55,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें से 36,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन पहले ही हो चुका है, और शेष योजनाएँ तेजी से आगे बढ़ रही हैं... 2014 से पहले या काशी विश्वनाथ धाम के अस्तित्व में आने से पहले, यहाँ प्रतिदिन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 5,000 से लेकर केवल 25,000 तक थी। आज, उसी काशी में प्रतिदिन 1.25 लाख से 1.50 लाख श्रद्धालु आते हैं... अकेले काशी ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 1.3 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

गिग वर्कर्स के लिए खुशखबरी, बिना गारंटी मिलेगा 10 हजार का लोन

नई दिल्ली। गिग वर्कर्स, घरेलू सहायकों और असंगठित क्षेत्र में काम करनेवालों के लिए खुशखबरी है। केंद्र सरकार अप्रैल 2026 से एक नई माइक्रोक्रेडिट योजना शुरू करने की तैयारी कर रही है, जिसके तहत हर साल बिना किसी गारंटी के 10,000 रुपये तक का लोन दिया जाएगा। इससे ई–श्रम पोर्टल पर पंजीकृत पांच लाख से ज्यादा गिग वर्कर्स को फायदा मिलेगा। हालांकि, सरकार का लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा गिग वर्कर्स को इस दायरे में लाने का है। इस योजना की रूपरेखा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम–स्वनिधि) की तर्ज पर तैयार की जा रही है, जिसके माध्यम से फिलहाल रेहड़ी–पटरी वालों को छोटे कार्यशील ऋण दिए जाते हैं।

ये खैरात नहीं, पंजाब का हक है

अमित शाह से बोले मुख्यमंत्री भगवंत मान, बॉर्डर पर उठाया बड़ा मुद्दा

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और अंतरराष्ट्रीय सीमा से संबंधित मुद्दों और राज्य से जुड़े अन्य लंबित मामलों पर चर्चा की। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब के अधिकार केंद्र के समक्ष स्पष्ट रूप से रखे गए हैं। बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए मान ने बताया कि चर्चा का एक प्रमुख मुद्दा सीमा बाड़ के पार स्थित कृषि भूमि का पुनर्वास था। उन्होंने मौजूदा सीमा बाड़ की समीक्षा का अनुरोध किया, जिसके कारण बाड़ और वास्तविक अंतरराष्ट्रीय सीमा के बीच काफी कृषि भूमि अलग–थलग पड़ गई है, जिससे किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें पहचान पत्र दिखाने के बाद बीएसएफ के साथ सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत अपनी जमीन पर खेती करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मान ने कहा कि यदि बाड़ को फिर से व्यवस्थित किया जाता है, तो हजारों एकड़ जमीन भारतीय सीमा में आ जाएगी, जिससे किसान बिना किसी डर, प्रतिबंध या सुरक्षा चिंताओं के खेती कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि शाह ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और उन्हें आश्वासन दिया कि इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा, जिसके लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह पंजाब का हिस्सा है और पंजाब का अधिकार हैकृयह कोई दान नहीं है। हम पंजाब के हक की मांग करने आए हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा के बारे में उन्होंने बहुत सकारात्मक रुख अपनाया। बाड़ के बाहर बहुत सी जमीन है, जो कई जगहों पर दो से तीन किलोमीटर अंदर है। मान ने पत्रकारों से कहा कि ऐसी जमीन भी है जहां किसान अपना पहचान पत्र दिखाकर बीएसएफ के साथ खेती करने जाते हैं। अगर बाड़ को 200–300 किलोमीटर आगे बढ़ा दिया जाए, तो हजारों एकड़ जमीन बाड़ के इस तरफ आ जाएगी। तब बिना किसी डर, सुरक्षा संबंधी चिंताओं या प्रतिबंधों के खेती की जा सकेगी।

जैतपुर हत्या मामले के सभी संदिग्धों को पकड़ा गया: दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने जैतपुर इलाके में 21 वर्षीय युवक की हत्या के मामले में दो और आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद शनिवार को कहा कि इस अपराध के सभी संदिग्धों को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित कृष्णा साहू (21) की बृहस्पतिवार रात तब चाकू मारा गया, जब उसने एक लड़की से जुड़े मुद्दे पर अपने दोस्त और कुछ युवकों के बीच हुई लड़ाई में बीच–बचाव की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि साहू को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि नवीनतम गिरफ्तारियों के साथ, इस मामले में पकड़े गए लोगों की कुल संख्या 10 हो गई है, जिनमें पांच वयस्क और उतने ही नाबालिग हैं। उसने बताया कि पकड़े गए नाबालिगों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया। हाल ही में गिरफ्तार दो आरोपियों की पहचान हरियाणा के फरीदाबाद निवासी मनीष कुमार उर्फ घ्घंगल (20) और दिल्ली के ही मीठापुर निवासी अमित उर्फ घ्घआरपी (21) के तौर पर की गई है। उसने बताया कि दोनों नोएडा स्थित एक एसी पाइप फैक्टरी में काम करते थे। पुलिस ने इससे पहले मुख्य आरोपी दीपक कुमार (22), हमले में हथियार मुहैया कराने वाले आशीष (24) और घटना को अंजाम देने में अहम सहायता करने वाले नीरज कुमार को गिरफ्तार किया था।

दिल्ली हवाई अड्डे 8.77 किलोग्राम गांजा जब्त, दो यात्री गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक से आए दो भारतीय यात्रियों के पास से 8.77 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। मामले में दोनों यात्रियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीमा शुल्क विभाग ने एक बयान में कहा कि दोनों यात्री 14 जनवरी को हवाई अड्डे के टर्मिनल–3 पर पहुंचे और मौके पर ही संदेह के आधार पर उन्हें रोका गया। इसके मुताबिक, ''यात्रियों को टर्मिनल–3 पर पहुंचते ही उनकी एक्स–रे जांच और निजी सामान की विस्तृत छानबीन के लिए उन्हें ग्रीन चौनल से दूर ले जाया गया।'' बयान में कहा गया कि जांच के दौरान एक गहरे नीले रंग के ट्रॉली बैग में पॉलीथीन की नौ पुड़िया मिली, जिनमें हरे रंग का मादक पदार्थ था, जिसके गांजा होने का संदेह है। पुड़िया में रखे पदार्थ का वजन 8.77 किलोग्राम था।

अल–फलाह विश्वविद्यालय का आतंकी कनेक्शन!

ईडी का खुलासा– लाल किला ब्लास्ट के आरोपी को दी नौकरी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अल–फलाह विश्वविद्यालय के अध्यक्ष और कुलाधिपति जवाद अहमद सिद्दीकी को एक व्यापक आरोपपत्र में मुख्य आरोपी बनाया है, जिसमें एक बड़े नियामक और मनी लॉन्ड्रिंग घोटाले का आरोप लगाया गया है– जिसमें लाल किला विस्फोट मामले के एक प्रमुख आरोपी को अनिवार्य सत्यापन के बिना विश्वविद्यालय के पद पर नियुक्त करना शामिल है। पिछले साल नवंबर में आतंकी मॉड्यूल के खात्मे के बाद अल–फलाह विश्वविद्यालय जांच के दायरे में आ गया था। दिल्ली बम धमाके के सिलसिले में विश्वविद्यालय से जुड़े चार डॉक्टरों पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे

कश्मीर में कड़ाके की ठंड जारी, अगले कुछ दिनों में बारिश और बर्फबारी का अनुमान

श्रीनगर। कश्मीर में न्यूनतम तापमान में गिरावट आने से यहां ठंड का प्रकोप और बढ़ गया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में विशेष रूप से घाटी के ऊपरी इलाकों में बारिश या बर्फबारी का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार, श्रीनगर में शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से 3.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात दर्ज किए गए तापमान (शून्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस नीचे) की तुलना में कम है। दक्षिण कश्मीर का शोपियां, घाटी का सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां पारा गिरकर शून्य से 5.6 डिग्री सेल्सियस नीचे तक पहुंच गया। वहीं, पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के तापमान के बराबर ही था। इसके अलावा, उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के गुलमर्ग में तापमान शून्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा, जो पिछली रात के दर्ज तापमान (शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे) के मुकाबले कम था। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार, मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले के सोनमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। शुक्रवार को यहां मध्यम बर्फबारी भी हुई थी। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि घाटी के प्रवेश द्वार काजीगुंड में पारा शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रहा। वहीं, कोकरनाग में न्यूनतम तापमान शून्य से दो डिग्री सेल्सियस नीचे और कुपवाड़ा में शून्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। कश्मीर घाटी में इस समय 'चिल्ला–ए–कलां' का दौर जारी है, जो 40 दिन की भीषण ठंड की अवधि होती है। इस दौरान हिमपात की संभावना सबसे अधिक होती है इसके साथ ही रात का तापमान भी अक्सर हिमांक बिंदु के नीचे पहुंच जाता है। 'चिल्ला–ए–कलां' 21 दिसंबर को शुरू हुआ था और यह 30 जनवरी को समाप्त होगा। इसके बाद 'चिल्ला–खुर्द' और 'चिल्लई–ए–बच्चा' शुरू होगा। मौसम विभाग ने कहा है कि एक के बाद एक आने वाले पश्चिमी विक्षोभ कश्मीर को प्रभावित करेंगे, जिसके कारण अगले कुछ दिनों तक रुक–रुक कर बारिश और बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार और रविवार (17 और 18 जनवरी) को ऊंचाई वाले कुछ चुनिंदा इलाकों में हल्की बर्फबारी हो सकती है, जबकि 19 और 20 जनवरी को हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी होने की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा है कि 21 जनवरी को ऊंचाई वाले कुछ छिटपुट इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है, जिसके बाद 25 जनवरी तक हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

मुंबई में सिर्फ दो भाई एकनाथ और देवेंद्र

जयचंद पर शिवसेना का पलटवार- पार्टी टूटने के असली जिम्मेदार संजय राउत

शिवसेना प्रवक्ता सुसीबेन शाह ने शनिवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को ष्जयचंदष कहने पर संजय राउत की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी का विभाजन शिवसेना (यूबीटी) सांसद की वजह से हुआ है और उन्होंने राउत से पिछले कुछ वर्षों के अपने आचरण पर गौर करने को कहा। एएनआई से बात करते हुए शाह ने कहा, जहाँ तक संजय राउत का सवाल है, उन्हें पिछले कुछ वर्षों के अपने आचरण पर गौर करना चाहिए। उन्हीं की वजह से शिवसेना का विभाजन हुआ। उन्होंने महाराष्ट्र के नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)–शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) गठबंधन को बीएमसी चुनावों में सबसे बड़ा गठबंधन बनने में सहयोग दिया। शाह ने कहा कि सबसे पहले, मैं महाराष्ट्र के नागरिकों, मुंबई के नागरिकों को हमें शानदार जीत दिलाने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगी। हम सबका साथ, सबका विकास और महा विकास की दिशा में काम करेंगे। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भाजपा और शिवसेना से मिलकर बनी सत्तारूढ़ महायुति के पास बहुमत है और मुंबई में अपना मेयर नियुक्त करने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। महायुति के पास बहुमत है, संख्या बल है और अपना मेयर नियुक्त करने के लिए पर्याप्त संख्या बल है।

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी समेत दो नक्सली मारे गए

बीजापुर । छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में शीर्ष उग्रवादी दिलीप बेदजा समेत दो नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिले के उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र के पहाड़ी जंगलों में तड़के मुठभेड़ शुरू हो गई, जहां सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर नक्सल–विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पुलिस के विशेष कार्य बल और जिला रिजर्व गार्ड इकाइयों के जवान और सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन) के जवान इस अभियान में शामिल थे, जिसे मंडलीय समिति के सदस्य बेदजा की क्षेत्र में उपस्थिति के बारे में मिली सूचना के आधार पर शुरू किया गया था। अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए एक अन्य नक्सली की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया, ''अभी तक घटनास्थल से दो नक्सलियों के शव और एके–47 राइफल बरामद की गयी हैं।'' उन्होंने बताया कि तलाश अभियान अभी जारी है। अधिकारी ने बताया कि बेदजा माओवादियों की राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र समिति में सक्रिय था और कई हमलों में शामिल रहा था।

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस का व्यापक जनसंपर्क अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। आज दिनांक 16 जनवरी 2026 को कांग्रेस पार्टी द्वारा मनरेगा बचाओ

संग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद बलरामपुर के सदर विकासखंड, गौधारायां विकासखंड तथा सिरसिया विकासखंड के विभिन्न ग्राम पंचायतों में जनसंपर्क एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने गांव–गांव जाकर ग्रामीणों से संवाद किया और मनरेगा से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को सामने रखा। जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने कहा कि मनरेगा गरीब, मजदूर और ग्रामीण परिवारों के लिए रोजगार की गारंटी है, लेकिन वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण यह योजना लगातार कमजोर की जा रही है। कांग्रेस पार्टी मनरेगा को बचाने और मजदूरों के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ेगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख राजबहादुर यादव, जिला महामंत्री विशाल उपाध्याय, कंट्रोल रूम प्रभारी बृजेश चौहान उपस्थित रहे। इसके साथ ही रामसेवक, चंद्रभान, शिवप्रसाद, रविंद्र कुमार यादव, शुक्ला, बालक राम त्रिपाठी, नरसिंह शुक्ला, राकेश कुमार, विनय कुमार, पूर्व प्रधान कृपाराम, सौरभ तिवारी, विनोद कश्यप, अंबिका प्रसाद, रामसूरत, नान, बच्चा, शाहिद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बलरामपुर चीनी मिल यूनिट तुलसीपुर चीनी मिल द्वारा सराहनीय कार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। तुलसीपुर चीनी मिल द्वारा बघेलखण्ड

गांव में अग्निकांड पीड़ितों को कम्बल,खाद्य सामग्री आदि की पहुंचाई गई राहत सामग्री तुलसीपुर तहसील विकास खण्ड गैंसड़ी के ग्राम सभा बघेलखंड में आग लगने से कई ग्रामीण के घर जल गए थे घर का सारा सामान जल गया था तुलसीपुर चीनी मिल द्वारा सराहनीय प्रयास करते हुए चीनी मिल प्रमुख आर एस प्रसाद के निर्देश पर बघेलखण्ड गांव में अग्निकांड से पीड़ित परिवारों को चीनी मिल तुलसीपुर सुरक्षा अधिकारी विजेंद्र सिंह चौहान एंव उप प्रबंधक प्रवीण शर्मा द्वारा सहायता के रूप में 25 कंबल एवं खाद्य सामग्री के रूप में आलू प्याज तेल गुड चीनी चाय पत्ती बिस्कुट हल्दी मिर्चा धनिया नमक आदि राहत सामग्री का वितरण किया गया।

बर्डपुर चिल्हिया मार्ग गड्ढे में तब्दील, गढ्ढा मुक्ति से मिले निजात

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। बर्डपुर चिल्हिया मार्ग क्षति ग्रस्त हो गयी है। बड़े दुर्घटनाओं की ओर इशारा करा रही है। लेकिन जिम्मेवार की नजर नहीं पड़ रही है। गड्ढा मुक्त के नाम पर कार्य कराया गया।लेकिन वह भी अधूरा पड़ा हुआ है।महीनों बीत गए सड़क पर गड्ढा मुक्त के नाम पर गिट्टी गिराई गई है। गड्ढा मुक्त तो नहीं हो सका लेकिन उसमें आने जाने वाले साधन के पुर्जे ढीले हो रहे है।सवारियां हिचकोले ले रही है। महीनों पहले चिल्हिया से कपिया खालसा चौराहे तक गड्ढा मुक्त किया गया।लेकिन लगभग छ किलोमीटर सड़क अभी भी गड्ढे में तब्दील है। स्वास्थ बिगड़ने पर छ किलोमीटर की दूरी घंटा बिता देता है। इतने समय में बीमार के साथ कुछ भी हो सकता है।बर्डपुर स्कूलों में पढ़ने जाने वाली छात्राएं अक्सर मोटर साइकिल,टैंपो के टक्कर से घायल भी हो जाती है। इस सड़क से क्षेत्र की सैकड़ों छात्र,छात्राएं स्कूल जाती है। ठीकेदार सड़क पर बड़ी,बड़ी गिट्टीयां गिरा महीनों से गायब है। कयास लगाया जा रहा है कि,इसका भुगतान भी करा लिया गया है। राहगीर अमित कुमार, संजय कुमार,अनिल ,धीरज गुप्ता, बाल गोबिंद मद्धेशिया, तूफानी, राम नाथ, दिनेश कुमार, शिव कुमार, मोहित मिश्रा, गुड्डू, आदि ने संबंधित विभाग से सड़क को जल्द गढ्ढा मुक्त कराए जाने की बात कही है।

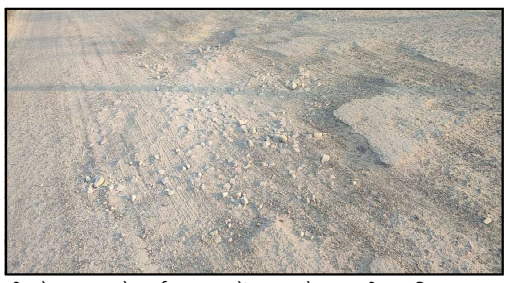

लोककलाओं को मिलेगा मंच–संस्कृति उत्सव 2026 के तहत गोण्डा में जुटेंगे चयनित कलाकार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोण्डा जनपद में उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित संस्कृति उत्सव 2026 के अन्तर्गत आज जनपद गोण्डा में जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।यह प्रतियोगिता 18 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे से गोण्डा टाउन हॉल में सम्पन्न होगी।कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजना तथा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में छिपी लोककलाओं और नवोदित कलाकारों को एक सशक्त मंच प्रदान करना है।संस्कृति उत्सव के अंतर्गत विभिन्न विधाओं जैसे लोकगीत, लोकनृत्य,शास्त्रीय संगीत, नाटक एवं अन्य पारंपरिक कलाओं में कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।इससे पूर्व ग्राम पंचायत,विकास खण्ड एवं तहसील स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में चयनित प्रतिभागी आज जिला स्तर पर अपनी कला प्रस्तुत करेंगे।जिला प्रशासन एवं संस्कृति विभाग के समन्वय से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रतिभाशाली कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा तथा उन्हें भविष्य में होने वाले सांस्कृतिक आयोजनों में सहभागिता का अवसर भी प्रदान किया जाएगा।यह उत्सव युवाओं में सांस्कृतिक चेतना जागृत करने के साथ–साथ प्रदेश की लोकपरंपराओं को नई पहचान देने का कार्य करेगा।प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक कलाकार अथवा अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु उपजिलाधिकारी सदर (मोबाइलरू 9454416072) एवं जिला पर्यटन सूचना अधिकारी मो. 9454767014 से संपर्क किया जा सकता है

सम्पूर्ण समाधान दिवस का तहसील गोण्डा सदर में हुआ आयोजन, अनुपस्थित अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश–सीडीओ

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोण्डा जनपद की मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती

अंकिता जैन की अध्यक्षता में तहसील गोण्डा सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।समाधान दिवस के दौरान जनसमस्याओं के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति अपेक्षित थी।संपूर्ण समाधान दिवस में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी,अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत धानेपुर,सहायक विकास अधिकारी (समाज कल्याण) विकासखंड इटियाथोक, खंड शिक्षा अधिकारी रूपईडीह एवं सहायक विकास अधिकारी (सहकारी समितियां) विकासखंड झंझरी आदि अनुपस्थित पाए गए। समाधान दिवस में अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए उपरोक्त अधिकारियों का एक दिवस का वेतन बाधित किए जाने के साथ–साथ उनसे स्पष्टीकरण तलब किया गया है।मुख्य विकास अधिकारी द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जनसुनवाई जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी तथा भविष्य में ऐसी स्थिति पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पुश्तैनी जमीन दिलाने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कुदरहा विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत

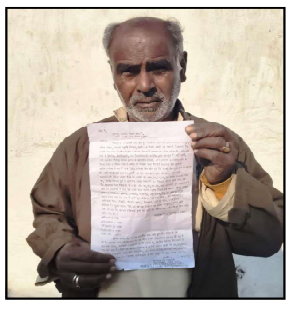

बानपुर निवासी गंगाराम पुत्र रामराज ने तहसील दिवस प्रभारी को पत्र देकर पुश्तैनी जमीन के रक्षा की गुहार लगाया है। पत्र में गंगाराम ने कहा है कि लेखपाल शैलेन्द्र यादव, ग्राम प्रधान के साथ ही दयानन्द यादव, ज्ञान प्रकाश, रविन्द्रपाल, विनय पाल व हमीद से मिलकर गलत रिपोर्ट लगवाकर उसके पुश्तैनी खेत की जमीन को इनके उनके चक में करा दिया। उसके खेत को कई लोग जोत बो रहे हैं। उसके खेत को राम सूरत महाविद्यालय द्वारा जबरदस्ती चहरदीवारी घेरकर कब्जा कर लिया गया। उसने अनेकों बार तहसील दिवस, थाना दिवस में प्रार्थना पत्र दिया किन्तु कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस कारण से उनका परिवार भूखो मर रहा है। यही नहीं कोटेदार द्वारा उसे राशन भी नहीं दिया गया। उसने मांग किया है कि समूचे मामलों की जांच कराकर उसका पुश्तैनी जमीन दिलाया जाय।

हरिजन आबादी से अवैध अतिक्रमण रोकने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। बस्ती सदर विकास खण्ड क्षेत्र के उसका निवासी अखिलेश, सुजीत,

राजेश पुत्रगण श्याम किशोर के साथ ही ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी सदर को पत्र देकर हरिजन आबादी में कराये जा रहे अतिक्रमण को रोके जाने की मांग किया है। पत्र में ग्रामीणों ने कहा है कि वल्टरगंज थाना क्षेत्र के उसका गांव में गाटा सं० 147, 301 हरिजन आबादी हेतु सुरक्षित है परन्तु गांव के कुछ दबंग व्यक्ति ग्राम प्रधान योगेन्द्र के संरक्षण में जमीन पर कब्जा कर रहे हैं और मना करने पर मारपीट और धमकी देते हैं। ग्राम प्रधान के पिता मौके पर मौजूद थे किन्तु कोई जबाब नहीं दिया, ग्राम प्रधान भी चुप्पी साधे हुये हैं। मामले की सूचना वाल्टरगंज थाने को दिया गया, पुलिस ने अवैध कब्जा करने से मना किया था किन्तु वे नहीं माने। इससे हरिजन आबादी का अस्तित्व समाप्त हो रहा है । गांव के अजय कुमार, राजेन्द्र प्रसाद पुत्र साहेबदीन, गुरुचरन पुत्र रामसमुझ आदि ने मांग किया उक्त जमीन को हरिजन आबादी के पात्र व्यक्तियों को आवन्टित करके समस्या का समाधान कराया जाय।

इटवा तहसील मे कर्मचारीयो को अधिकारीयों का खौफ नही है

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। हर हफ्ते शनिवार को इटवा तहसील में तहसील दिवस लगाया जाता है।की किसी फरियाद को कोई समस्या होतो तहसील दिवस के दिन उच्च अधिकारियों की मौजूदगी मे समाधान हो सके और फरियादीयों को किसी दफ्तर का चक्कर न काटना पड़े इस लिए हर हफ्ते जिलाअधिकारी द्वारा जनसुनवाई किया जाता है। लेकिन शनिवार को लगे तहसील दिवस मे डीएम महोदय के आगमन की सूचना के बावजूद तहसील मे बने बीआरसी का दरवाजा नहीं खुला और जरुरत मंद आगे पीछे घूमते हुए नजर आऐ आगे से ताला और पीछे से कुंडी लगी होने के कारण लोग दरवाजा खटखटाते रहे।लेकिन दरवाज़ा नहीं खुला घंटों इंतज़ार के बाद फरियादी बिना काम हुए खाली हाथ लौटने को मजबूर हो गए जनता में भारी नाराज़गी है।और व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बंगो ने मारा पीटा: पीड़ित ने लगाया न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के पाण्डेय बाजार बांसी रोड

निवासी राकेश सोनकर पुत्र मेहीलाल को जमीनी रंजिश और विवाद के चलते दबंगों ने जाति सूचक गालियां देकर मारा पीटा, मोबाइल और बाइक तोड दिया। राकेश सोनकर ने पुरानी बस्ती थानाध्यक्ष को लिखित तहरीर देकर कहा है कि 17 जनवरी को वह सत्यनराण जायसवाल से बातचीत करने गया था। इस दौरान उन्होंने जाति सूचक गालियां दी निशान्त जायसवाल, अरूण के साथ मिलकर उसे बुरी तरह से मारा पीटा, मोबाइल और बाइक तोड दिया। उसने पुरानी बस्ती थानाध्यक्ष से दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

राजन इंटरनेशनल एकेडमी में खेल महोत्सव के प्रतिभागियों का सम्मान, मेधावी खिलाड़ियों का बढ़ाया गया उत्साह

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। राजन इंटरनेशनल एकेडमी में आयोजित खेल महोत्सव में उत्.ष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। सम्मान समारोह में प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी, कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय एवं प्रधानाचार्य सानू एंटोनी ने खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर उनका मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों, शिक्षकों व अभिभावकों की उपस्थिति रही, जिससे समारोह का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी ने कहा कि अभिभावकों के भरोसे पर खरा उतरना एकेडमी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बीते चार वर्षों में एकेडमी के छात्रों ने शैक्षणिक और सह–शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि सीमित समय में जिस लगन और मेहनत से शिक्षक बच्चों को तराश रहे हैं, उसी का परिणाम है कि आज ये बच्चे नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों का भी आभार

व्यक्त किया, जिन्होंने एकेडमी पर भरोसा जताते हुए अपने पाल्यों का भविष्य यहां संवारने का निर्णय लिया। कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय ने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ छात्रों का सर्वांगीण विकास ही एकेडमी का मूल उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित करते हैं। इसी .ष्टि से खेल महोत्सव जैसे आयोजनों को नियमित रूप से कराया जाता है, ताकि विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा सामने आ सके। उन्होंने खिलाड़ियों को आगे भी इसी समर्पण के साथ अभ्यास करने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य सानू एंटोनी ने जानकारी दी कि नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। जिन अभिभावकों को अपने पाल्यों का प्रवेश कराना है, वे विद्यालय आकर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रबन्धन निरन्तर शैक्षणिक गुणवत्ता, अधोसंरचना और सह–शैक्षणिक गतिविधियों को बेहतर बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। खेल महोत्सव में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया है, ताकि उन्हें आगे और अच्छा करने की प्रेरणा मिल सके। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक छात्र में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है, आवश्यकता केवल उसे पहचानने और निखारने की होती है। एकेडमी का प्रयास है कि विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार उन्हें मंच प्रदान किया जाए, जिससे वे अपने लक्ष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ बढ़ सकें। खेल, सांस्.तिक गतिविधियां और शैक्षणिक उपलब्धियां.तीनों के संतुलन से ही एक सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण होता है। सम्मान समारोह के दौरान विभिन्न खेलों में उत्.ष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्.त किया गया। बच्चों के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। अभिभावकों ने भी विद्यालय प्रबन्धन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और वे पढ़ाई के साथ खेलों में भी आगे बढ़ते हैं। कार्यक्रम का संचालन बीएड विभागाध्यक्ष जीत यदुवंश ने किया इस अवसर पर,पुनीता पाण्डेय, राम स्वरूप यादव, अमित मिश्रा, सौरभ पाण्डेय शुभम पटेल शिवांश उपाध्याय, देविका गुप्ता रेखा श्रीवास्तव, प्रमिला शुक्ला, आ.ति साहू, दीपांजलि, पूनम गुप्ता, शिप्रा, सुषमा, रजनी श्रीवास्तव, स्वेता त्रिपाठी, फातिमा सिद्दिकी, दिव्या, संजू गुप्ता, नैंसी, तहिया, शिक्षा बरनवाल, रिया, तहजीब, नन्दनी,फरहद फातिमा, प्रभा त्रिपाठी, सुष्मिता मन्ना, रितिका गुप्ता, वेदिका गुप्ता, रूपा, पलक, आ.ति पाण्डेय, मानसी सिंह नीलम श्रीवास्तव, प्रियंका यादव, नीशू, माया शुक्ला, हर्षिका, रजनी शुक्ला,आँचल सेठी, श्रद्धा पाण्डेय, ज्योति पाण्डेय मनीषा गुप्ता, अनु, दीपाली, ऋचा, स्वप्निल, गरिमा, दीपिका दूबे, दिशा शीतल, अदिति, नेहा अबरोल, प्रिया श्रीवास्तव, अनूप, सुमन दूबे शहनाज, अर्चना द्विवेदी, अर्चना पटेल, अयान, प्रकाश रीमा रोबैलो, जरीन, ज्वेल, चंदन कुशाग्र, शेख शायरा, शिवम, यशु हर्षित रचित प्रदीप,गोपाल सिंह, संजय, नलिन, खदीजा, रवि सरन, मनीष राय, जितेंद्र कुमार मिश्र, सुब्रत दुबे, दीपांशी पाण्डेय,अब्दुल असद,वर्षा जायसवाल, दुर्गेंद्र आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस की रीढ़ है सेवादल, मजबूत करने मे नही छोड़ेंगे कोई कसर : सुनील पाण्डेय

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। कांग्रेस सेवा दल के नवनियुक्त जिला मुख्य संगठक सुनील पाण्डेय का फूल मालाओं से स्वागत किया गया। कटेश्वरपार्क स्थित पार्टी कार्यालय पर इकट्ठा हुये पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सेवादल को मजबूत करने का संकल्प लिया। सभी ने सुनील पाण्डेय को बधाइयां व शुभकामनायें देते हुये हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम का संचालन मो. रफीक खां ने किया। पार्टी कार्यालय पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये पूर्व विधायक अंबिका सिंह ने कहा देश बहुत चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है, विचारधारा की राजनीति खत्म हो चुकी है, नेताओं मे निष्ठा नही रही।

ऐसे में सेवादल की भूमिका और ज्यादा प्रासंगिक हो गई है। कांग्रेस जब जब कमजोर हुई है सेवादल ने उसे मजबूत किया गया है। पूर्व विधायक रामजियावन ने सेवादल को कांग्रेस पार्टी की रीढ़ बताते हुये उम्मीद व्यक्त किया कि सुनील पाण्डेय के नेतृत्व मे पार्टी को नई ताकत मिलेगी। पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय एवं अनिरूद्ध त्रिपाठी ने कहा कई दशक सत्ता से बाहर रहते हुये भी कार्यकर्ताओं की पार्टी के प्रति निष्ठा कायम है, यही निष्ठा दूसरे दलों से अलग पार्टी को पहचान दिलाती है। देवेन्द्र श्रीवास्तव ने भी सुनील पाण्डेय को सहयोग देने का भरोसा दिलाया। जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा पार्टी के विभिन्न विभागों का सेवादल को सहयोग मिलेगा और सेवादल के माध्यम से पार्टी आमजन मे अपनी पैठ मजबूत करेगी। किसान कांग्रेस के रामभवन शुक्ल ने कहा सेवादल और किसान कांग्रेस मिलकर पार्टी को ताकत देंगे जिससे आगामी चुनावों में प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित कराई जा सके। प्रशान्त पाण्डेय ने सेवादल के बारे मे विस्तार से बताया। सम्मान से अभिभूत कांग्रेस सेवादल के मुख्य जिला संगठक सुनील पाण्डेय ने सभी को भरोसा दिलाया कि संगठन को मजबूत करने मे कोई कसर नही छोड़ेंगे। कार्यकारिणी का विस्तार कर शीघ्र ही कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। पार्टी कार्यालय पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गुड्डू सोनकर, मो. सिद्दीक, शिवनरायन पाण्डेय, शौकत अली नन्हू, नर्वदेश्वर शुक्ल, शिवभिति मिश्रा, संजीव त्रिपाठी, लालजीत पहलवान, बृजेश पाण्डेय, डा. मारूफ अली, रामबचन भारती, निशान्त श्रीवास्तव, विनय तिवारी, अनिल कुमार भारती, राम.ष्ण दूबे, रूपेश पाण्डेय, सुरेन्द्र मिश्रा, जयंत चौधरी, गिरजेश पाल, अनूप पाठक, विनय पाण्डेय, दीपक मिश्र, शब्बीर अहमद, मकबूल हसन, अतीउल्लाह सिद्दीकी, मो. जावेद, दूधनाथ पटेल, लक्ष्मी यादव, डीएन शास्त्री, आलोक दूबे, विश्वजीत, राम.पाल, कुंवर जितेन्द्र सिंह, सर्वेश शुक्ल, आनंद निषाद, लालजी शर्मा, घनश्याम शुक्ल, हरिश्चन्द्र, देवी प्रसाद पाण्डेय, करीम अहमद, ओमप्रकाश पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, हरिश्चन्द्र शुक्ल, रामप्रकाश यादव, आशुतोष पाण्डेय, फिरोज खान, दयाशंकर पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्रिकेट प्रतियोगिता में निखर रही है ग्रामीण प्रतिभाएँ- श्याम जायसवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ब्लॉक क्षेत्र के ग्रा०पं० लुचुईयां के टोला नड़ौरा गांव स्थित खेल के मैदान में आयोजित नड़ौरा प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का क्वार्टर फाइनल तीसरे मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में शोहरतगढ़ विधान सभा के समाजसेवी भाजपा नेता श्याम जायसवाल एवं विशिष्ट अतिथि रमवापुर तिवारी के प्रधान सुवाष यादव एवं भीम चौधरी ने फीता काटकर किया। क्वार्टर फाइनल का तीसरा मैच छतहरी 11 और शोएब एलेवेन के बीच खेला गया। टॉस जीतकर छतहरी एलेवेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर 89 रन बनाए। जिसमें छतहरी के बल्लेबाज यश मिश्रा ने 27 रनों का योगदान दिया। शोएब 11 के तरफ से कप्तान शोएब ने तीन विकेट चटकाए और 90 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी शोएब एलेवेन की टीम 10 ओवर में केवल 78 रन हीं बना पायी। जिससे क्वार्टर फाइनल जीतकर छतहरी की टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली है। छतहरी के टीम से शानदार गेंदबाजी के प्रदर्शन पर यश मिश्रा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मुख्य अतिथि श्याम जायसवाल और विशिष्ट अतिथि सुवाष यादव एवं भीम चौधरी के द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता श्याम जायसवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में असीम प्रतिभागी छुपी हुई है ऐसे मंच से उन्हें अपने प्रतिभा प्रदर्शन का मौका मिलता है खेल से स्वास्थ्य ठीक रहने के साथ-साथ मनुष्य का शारीरिक विकास ठीक ढंग से होता है लोगों को हार जीत का परवाह न करते हुए खेल प्रतिभागिताओं में प्रतिभाग अवश्य करनी चाहिए। टूर्नामेंट के आयोजक अंशिका फर्टिलाइजर एंड ट्रेडर्स के प्रोपराइटर विवेक उपाध्याय व अभिषेक उपाध्याय रहे। अमित कुमार उपाध्याय द्वारा शानदार कमेन्ट्री दर्शकों को खूब भाया। इस दौरान घनश्याम गुप्ता, राकेश जायसवाल, संजय मिश्रा, अमित उपाध्याय, अरुण कुमार उपाध्याय, राजकुमार उपाध्याय, विनोद उपाध्याय, चंद्रभान, मोतीलाल, रामदेव, नागेंद्र नाथ उपाध्याय, अरुण उपाध्याय, अश्विनी मिश्रा, कालीचरन, अर्जुन शर्मा, सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। कमेटी अध्यक्ष अमित उपाध्याय, उपाध्यक्ष गोलू उपाध्याय तथा कमेटी सदस्य संदीप, निखिल, निलेश, रुपेश त्रिपाठी, स्कंद, सुंदरम, साईराज, कालीचरन, इन्द्रजीत आदि ने सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट क्षेत्र की उभरती खेल प्रतिभाओं को एक मजबूत मंच प्रदान करेगा।

एनएच 730- मदरहिया गांव के पास पलट गए स्कूली बस और मैजिक वाहन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। कोहरे और साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में शनिवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। ढेबरुआ थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग 730 पर मदरहिया गांव के पास स्कूली बस और मैजिक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गए। इस हादसे में दोनों वाहनों में सवार कुल 40 लोगों में से 32 लोग घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बढ़नी पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छह घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर रेफर कर दिया गया। राहत की बात यह रही कि सभी घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। मेडिकल कॉलेज रेफर किए गए घायलों में 21 वर्षीय सायमा, आठ वर्षीय सोमेश्वर प्रसाद, 14 वर्षीय अदीना, 16 वर्षीय अजीमा, 16 वर्षीय मोब्बस्सरा और 13 वर्षीय सोदा शामिल हैं। वहीं शेष 26 घायल बच्चे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिए गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब नौ बजे दर्सगाह जामियातुस्सालिहात इस्लामिया स्कूल अकरहरा की बस शोहरतगढ़ से ढेबरुआ की ओर जा रही थी, जबकि सनराइज पब्लिक स्कूल तुलसियापुर की मैजिक वाहन विपरीत दिशा से आ रही थी। इसी दौरान अचानक एक साइकिल सवार स्कूली बच्चा दोनों वाहनों के सामने आ गया। घना कोहरा होने के कारण चालकों को स्थिति स्पष्ट नहीं दिखी और साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में दोनों वाहन असंतुलित होकर पलट गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को वाहनों से बाहर निकाला और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही ढेबरुआ थाना पुलिस, पुलिस क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी तथा मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रजत चौरसिया मौके पर पहुंचे और राहत एवं उपचार कार्यों का जायजा लिया। ढेबरुआ थानाध्यक्ष शिवनारायण लाल श्रीवास्तव ने बताया कि घना कोहरा और साइकिल सवार को बचाने के प्रयास में यह दुर्घटना हुई है। सभी घायल सुरक्षित हैं और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। प्रशासन द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

विशाल दंगल का आयोजन, कई प्रदेशों से आए पहलवानों ने दिखाये कुश्ती के दांव-पेंच

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। राप्ती नदी तट स्थित परशुराम वाटिका में मौनी अमावस्या के शुभ अवसर पर लगने वाले मेले में शनिवार को धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी दो दिवसीय राम राम कुश्ती दंगल आयोजन किया गया। जिसमें नेपाल राष्ट्र सहित भारत के कई प्रदेशों से आए पहलवानों ने कुश्ती के दांव-पेंच दिखाए। दंगल देखने हजारों हजार की संख्या में भारी भीड़ जुटी रही। दंगल को लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला और दूर-दराज के क्षेत्रों से भी दंगल प्रेमी बड़ी संख्या में पहुंचे। दंगल प्रतियोगिता में भारत वर्ष के नामी गिरामी पहलवानों ने भाग लिया। पहलवानों ने अपनी कुश्ती कला, ताकत और कौशल का शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया। एक से बढ़कर एक रोमांचक मुकाबलों ने दर्शकों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। कई मुकाबले काफी देर तक चले, जिससे दंगल का रोमांच चरम पर पहुंच गया। कार्यक्रम का आरम्भ जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन व पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने विधि विधान से पूजन के उपरांत फीता काटकर किया। दंगल में नेपाल, राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, अयोध्या, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, केरल सहित कई राज्यों के पहलवान सम्मालित हुए और इन्होंने कुश्ती के नये-नये दांव पेंच दिखाये। पहलवानों के दांव, पेच कुश्ती को देखकर दर्शक काफी रोमांचित हुए। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन ने पुरुष वर्ग के पहली कुश्ती में काला चिता जौनपुर के राजेश पहलवान अयोध्या व महिला वर्ग की पहली कुश्ती में शिवांगी सिंह नंदनीनगर गोंडा हिमांशु यादव राजस्थान का हाथ मिलवाकर कुश्ती का शुभांरभ करवाया। इस दौरान पहलवानों द्वारा उनको पगड़ी व माला पहनाकर सम्मानित किया। पहली कुश्ती में पुरुष वर्ग में राजेश पहलवान अयोध्या विजई हुए। वही महिला कुश्ती में शिवांगी सिंह नंदनीनगर गोंडा विजई हुई। पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि पहले भी यहां कुश्ती दंगल का आयोजन होता था, लगाकर लेकिन 2024 में अयोध्या में प्रभु श्री राम मंदिर में हम सबके आराध्य प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के उपरांत जहां पूरे दुनिया के सनातन अनुवाई राममय होकर हर्षोल्लास के साथ उत्सव मनाए, वही डुमरियागंज में होने वाला दंगल का नाम राम राम दंगल हो गया। भारतीय खेलों में दंगल महत्वपूर्ण खेल है। कुश्ती करने से युवा शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है, कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन युवाओं व विद्यार्थियों में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि मौनी अमावस्या के पर्व पर लगने वाले मेले में हमेशा दंगल का आयोजन होता हैं, इस परंपरा को जीवित रखने और युवाओं को मंच देने के लिए मैं हर वर्ष यह राम राम दंगल का कार्यक्रम करवाता हूं। काला पहलवान केरल व पंडित थापा काठमांडू नेपाल में पंडित थापा विजई, सोनू पहलवान हरियाणा व लक्की थापा नेपाल के बीच में लक्की थापा विजई, चिम चिम डोगरा आदिवासी पहलवान भूटान व देवा पहलवान प्रयागराज के बीच में चिम चिम डोगरा विजई, नम्रता पहलवान गोरखपुर व सोनम पहलवान बनारस में नम्रता पहलवान विजई, बिल्ला पहलवान व बाबा शक्तिमान पहलवान के बीच में शक्तिमान पहलवान विजई, शास्त्री पहलवान व अशोक पहलवान गाजीपुर के शास्त्री पहलवान विजई, भूरा पहलवान अयोध्या व विक्की पहलवान पटियाला के बीच भूरा पहलवान विजई, नरेश पहलवान व जगधारी में नरेश विजई, सोनू हरिद्वार व नरेश पंजाब के बीच नरेश विजई, पंडित थापा नेपाल व बिल्ला कानपुर के बीच पंडित थापा विजई। सर्वेश तिवारी संतकबीर नगर व मुन्ना पहलवान गाजीपुर में मुन्ना पहलवान विजई, संदीप गाजीपुर व राजन राजस्थान में संदीप गाजीपुर विजई हुए। वही उत्तर प्रदेश केशरी सर्वेश तिवारी संतकबीर व ठाकुर जल्लाद सिंह राजस्थान के बीच में सर्वेश तिवारी ने जल्लाद सिंह को मिनटों चित कर दिया। मोनू मेरठ व सूरज सिंह सहारनपुर, मोनू पहलवान सहारनपुर व भूरा पहलवान पंजाब के बीच की कुश्ती बराबर में खत्म हुई। मंच का संचालन अभिषेक त्रिपाठी युवराज ने, दंगल में रेफरी की भूमिका मंगला पहलवान गाजीपुर व गुड्डू पहलवान गोरखपुर ने संयुक्त रूप से निभाई। दंगल में डा. दशरथ चौधरी, ईओ सचिन कुमार, ईओ राजन गुप्ता, राजेंद्र दुबे, दीपेंद्र विक्रम सिंह, हेमंत जायसवाल, सुगंध अग्रहरि आदि ने पहलवानों का हाथ मिलाकर कुश्ती आरंभ करवाया और विजई पहलवानों को पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया। इस दौरान सदर विधायक श्यामधनी राही, लवकुश ओझा, चन्द्र प्रकाश चौधरी, धर्मराज वर्मा, मधुसूदन अग्रहरि, दिलीप पाण्डेय, लालजी शुक्ला, तिलक बाबा, शैलेश सिंह, शत्रुहन सोनी, हरीश पाण्डेय, राजन अग्रहरि, पप्पू श्रीवास्तव, रमेशधर द्विवेदी, अजय अग्रहरि, श्याम पाठक आदि सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहें।

जेटली की एक मजेदार झलक सामने आई

मिथ्री मूवी मेकर्स प्रस्तुत करते हैं – सत्य , रितेश राणा और क्लैप एंटरटेनमेंट की जेटली की हास्य से भरपूर एक्शन फिल्म की एक झलक।

टॉलीवुड की सबसे अनोखी अभिनेता-निर्देशक जोड़ी, सत्या और रितेश राणा, एक नई मनोरंजक फिल्म जेटली के साथ वापसी कर रहे हैं। क्लैप एंटरटेनमेंट के चिरंजीवी (चेरी) और हेमलता पेद्दामल्लू द्वारा निर्मित और प्रतिष्ठित मैत्री मूवी मेकर्स द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म में मिस यूनिवर्स इंडिया रिया सिंघा मुख्य अभिनेत्री के रूप में तेलुगु सिनेमा में कदम रख रही हैं। मुख्य कलाकारों के पहले लुक पोस्टर जारी करने के बाद, निर्माताओं ने आज फिल्म की एक झलक भी दिखाई। इस झलक की शुरुआत सत्य की आवाज में वेमाना शतकम से होती है। अचानक

तेज हवा के झोंके से यात्री घबरा जाते हैं, जिससे आगे आने वाली अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। फिर सत्य को दिखाया जाता है, जो अपनी पहचान पर सवाल उठा रहा होता है, तभी गोलियों की आवाज सुनाई देती है, जो अपहरण की आशंका का संकेत देती है। सत्या का किरदार हास्यपूर्ण ढंग से गढ़ा गया है। उनका रूप-रंग पूरी तरह बदल गया है, और उनकी दमदार उपस्थिति और हास्य-बोध बेमिसाल है। सत्या और वेन्नेला किशोर के बीच की मजेदार बातचीत फिल्म की खूबसूरती को और बढ़ा देती है। जब उनसे उनके हीरो होने के दर्जे के बारे में पूछा गया, तो सत्या ने चतुराई से जवाब दिया कि वे किसी खास वर्ग में नहीं आते – वे तो आम आदमी हैं। इस झलक में मुख्य अभिनेत्री रिया सिंघा, अजय, हर्षा आदि सहित अन्य सभी महत्वपूर्ण पात्रों का भी परिचय दिया गया है। मथु वदलारा की मूल टीम इस फिल्म के रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए लौट आई है। संगीतकार काला भैरव, छायाकार सुरेश सारंगम, संपादक कार्तिका श्रीनिवास और प्रोडक्शन डिजाइनर नार्नी श्रीनिवास एक बार फिर साथ आए हैं, जिससे रितेश राणा को एक और अनोखी, अप्रत्याशित सिनेमाई दुनिया रचने का मौका मिला है। कुल मिलाकर, यह झलक रितेश राणा के हास्य और भरपूर एक्शन के विशिष्ट मिश्रण का वादा करती है।

तहसील समाधान दिवस में 52 शिकायतें, महज 7 का निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थनगर। इटवा तहसील परिसर में आयोजित तहसील समाधान दिवस जिलाधिकारी शिवशरणप्पा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समाधान दिवस में कुल 52 शिकायतें दर्ज की गई लेकिन इनमें से केवल 7 मामलों का ही मौके पर निस्तारण हो सका0जिससे समाधान दिवस की उपयोगिता पर सवाल खड़े हो गए। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार समाधान दिवस में राजस्व विभाग से जुड़े 22 मामले आए, जिनमें से सिर्फ 7 का निस्तारण किया गया। पुलिस विभाग के 9 मामले आए, लेकिन एक भी मामला निस्तारित नहीं हुआ। विकास विभाग के 6 मामले, विद्युत विभाग के 5 मामले, लोक निर्माण विभाग (च्व्क) के 2 मामले तथा अन्य विभागों के 8 मामले दर्ज हुए, जिनमें अधिकांश शिकायतें लंबित ही रह गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि तहसील समाधान दिवस आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।लेकिन इटवा में यह दिवस अधिकारियों के चाय-पानी और औपचारिकता तक ही सीमित नजर आया। जन्म प्रमाण पत्र में देरी और सुविधा शुल्क का मामला उठा समाधान दिवस के दौरान जन्म प्रमाण पत्र बनाए जाने में अनावश्यक देरी, सुविधा शुल्क वसूली और

प्राइवेट कर्मियों द्वारा सरकारी फाइलों से छेड़छाड़ का गंभीर मामला भी सामने आया। इस संबंध में शिकायतकर्ता मो. शाबान ने जिलाधिकारी के समक्ष आरोप लगाते हुए कुछ वीडियो साक्ष्य भी प्रस्तुत किए। वीडियो और शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी शिवशरणप्पा ने कड़ी नाराज़गी जताई और मौके पर ही एसडीएम इटवा को निर्देश दिए कि ऐसे प्राइवेट कर्मियों को तत्काल तहसील से हटाया जाए। लंबित फाइलें मंगवाकर तत्काल प्रमाण पत्र जारी करने के आदेश जिलाधिकारी ने जन्म प्रमाण पत्र से जुड़ी कुछ लंबित फाइलें तत्काल मंगवाई और संबंधित अधिकारियों को बिना देरी के प्रमाण पत्र जारी करने के स्पष्ट निर्देश दिए। डीएम की इस कार्रवाई से फरियादियों को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन अन्य लंबित मामलों पर ठोस कार्यवाही न होने से लोगों में असंतोष बना रहा। कई वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद इस अवसर पर सीएमओ सिद्धार्थनगर, पुलिस कप्तान, सीओ इटवा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। सवालों के घेरे में तहसील समाधान दिवस इतने कम मामलों के निस्तारण के बाद यह सवाल उठना लाज़मी है कि क्या तहसील समाधान दिवस वास्तव में जनता की समस्याओं के समाधान का मंच बन पा रहा है या फिर यह केवल एक औपचारिक सरकारी कार्यक्रम बनकर रह गया है? जनता को अब उम्मीद है कि जिलाधिकारी के सख़्त रुख के बाद आगे चलकर शिकायतों का वास्तविक और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

सम्पादकी

ऐसे में यह कांग्रेस को फिर से आत्ममंथन का मौका देता है। निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों ने विपक्ष के महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जिसके घटक दल पहले ही महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में बरसों तक वर्चस्व रखने वाले ...

बीएमसी के नतीजे बड़े बदलाव के संकेत

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की महत्वपूर्ण सफलता ने राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत दे दिया है, जो आने वाले दशकों में राज्य की भगवा राजनीति की विरासत पर वर्चस्व की दिशा भी तय करेगा। राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन द्वारा विपक्ष को करारी शिकस्त देने के एक साल से कुछ अधिक समय के बाद अब सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दबदबा कायम कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व वाले बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। निश्चित रूप से इस हालिया परिणाम से आने वाले सालों में मुंबई की सत्ता में निर्णायक बदलाव आएगा। अविभाजित पार्टी के रूप में, बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने दशकों तक भारत की वित्तीय राजधानी पर शासन किया। लेकिन अब भाजपा की अगुवाई में शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट बीएमसी में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं, वैसी बीएमसी में पार्टी की भूमिका रहेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो दशक बाद ठाकरे भाइयों की पार्टियों के एकजुट होकर लड़ने के बावजूद राज्य में महायुति की लहर रुकी नहीं। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों के बीच गठबंधन पूणे में बुरी तरह विफल हो गया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी चुनाव परिणामों के गहरे निहितार्थ रहे हैं। बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी को देश का सबसे धनी नगर निगम होने का गौरव हासिल है। जिसके चलते इसका राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है। महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी के महत्व का अंदाजा इसके बजट से लगाया जा सकता है। इसका बजट वर्ष 2025–26 के लिये 74,427 करोड़ रुपये का है, जो हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों के बजट से भी अधिक है। ऐसे में हालिया स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के वर्चस्व के बाद स्थानीय निकाय की नई संरचना का मुंबई के शासन, नीतिगत प्राथमिकताओं और महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिशीलता पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। यहां सकारात्मक पहलू यह भी है कि जनता ने विकास की आकांक्षा को तरजीह दी और क्षेत्रीय संकीर्णता के नारे को खारिज किया। चुनाव परिणाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकास के वादे का समर्थन करते हैं। हालांकि, ठाकरे परिवार का 'मराठी मानुष' कार्ड ज्यादा मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। एक बार फिर महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों में कांग्रेस हाशिये पर नजर आई। ऐसे में यह कांग्रेस को फिर से आत्ममंथन का मौका देता है। निर्विवाद रूप से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों ने विपक्ष के महा विकास अघाड़ी गठबंधन के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है, जिसके घटक दल पहले ही महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में बरसों तक वर्चस्व रखने वाले ठाकरे और पवार के राजनीतिक परिवार को राज्य में अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने के लिये नये सिरे से प्रयास करने होंगे। वहीं दूसरी ओर इन चुनाव परिणामों का एक निष्कर्ष यह भी है कि भाजपा चुनावों में जीतने का गणित सीख गई है। पार्टी के बूथ मैनेजमेंट के साथ संघ का संबल उसकी विजय की राह प्रशस्त करता है। यही वजह है कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ती नजर आई, बल्कि अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी है।

आज के दिन गंगा मैया का जल हो जाता है अमृत

आज मौनी अमावस्या है। आज के दिन यानी मौनी अमावस्या को माँ गंगा का जल अमृतमय हो जाता है। इसीलिए इस दिन श्रद्धालु मोक्ष की प्राप्ति एवं पापों का नाश करने के लिए माँ गंगा में आस्था की डुबकी लगाते हैं। धार्मिक मत है कि मौनी अमावस्या के दिन गंगा स्नान कर भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक द्वारा जाने–अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। साथ ही साधक के पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। मौनी अमावस्या मौन का दिन है, इसलिए आज अत्यधिक बातचीत से बचें और आत्मचिंतन पर ध्यान केंद्रित करें। मौनी अमावस्या का दिन आध्यात्मिक विकास के लिए समर्पित है। इसलिए मनोरंजन या सांसारिक विकर्षणों में लिप्त होने से बचें। ध्यातव्य है कि मौनी अमावस्या के दिन मदिरा, मांस, मछली आदि चीजों के सेवन को वर्जित माना जाता है। इसलिए इन चीजों के सेवन से बचना चाहिए। पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण एवं उपवास करना चाहिए। इसके साथ ही किसी गरीब व्यक्ति को दान–दक्षिणा भी देना जरूरी है। अमावस्या के दिन दान का भी बहुत महत्व होता है। मौनी अमावस्या के दिन आप प्रयागराज के संगम में स्नान करें। सनातनी मान्यताओं के अनुसार संगम स्नान से पुण्य के साथ भगवान श्री विष्णु जी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। स्नान के बाद अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए और गंगा के जल से उनको तर्पण देना चाहिए। यदि गंगा स्नान न कर सकें और यदि श्रद्धा हो तो गंगा जल को घर में बाल्टी में डालकर स्नान कर लेना चाहिए।

लेखक विनय कांत मिश्र / दैनिक बुद्ध का संदेश

बेहतर विमर्श से जीवन संतोषजनक बनाएं

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत जरूरतमंद वृद्ध गांववासियों को चश्मा प्राप्त करने, मोतियाबिंद का आप्रेशन करवाने में मदद की जाती है व चलने में सहायता के लिए छड़ी व वॉकर भी निःशुल्क उपलब्ध करवाए जाते हैं। वृद्ध व्यक्तियों को अस्पताल में जरूरी इलाज करवाने के लिए समुचित सहायता दी जाती है। अनेक वृद्ध व्यक्तियों को नियमित पेंशन व राशन मिल रहे हैं पर यदि किसी को यह सरकारी सुविधाएं ...

बेहतर पोषण, शारीरिक व्यायाम, मानसिक सक्रियता बनाए रखने, बेहतर सामाजिक संबंधों व परिवार तथा समुदायों में वृद्ध व्यक्तियों को उचित महत्व व सम्मान देने के आधार पर वृद्धावस्था को कहीं अधिक स्वस्थ व संतोषजनक बनाया जा सकता है। विश्वस्तर पर वृद्धों का जनसंख्या में प्रतिशत बढ़ रहा है और इसके साथ इस बारे में बेहतर विमर्श की जरूरत है कि उनका जीवन स्वस्थ व संतोषजनक कैसे बन सके। वर्ष 1950 में विश्व का कोई व्यक्ति औसतन 46 वर्ष जीता था तो वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 70 वर्ष तक पहुंच गया। जापान, इटली व स्विट्जरलैंड जैसे कुछ देशों में आज औसत आयु ही 80 वर्ष के पार पहुंच चुकी है। वर्ष 2050 के लिए यह अनुमानित है कि 60 वर्ष से अधिक उम्र के विश्व में 210 करोड़ लोग होंगे व विश्व की जनसंख्या में उनका हिस्सा 21 प्रतिशत होगा। ऐसे में जरूरी है कि वृद्धावस्था को स्वस्थ व संतोषजनक बनाने के लिए बेहतर प्रयास किए जाएं। इस सोच से प्रेरित होकर विश्व स्तर पर वर्ष 2021–2030 के दशक को स्वस्थ वृद्धावस्था के दशक के रूप में मनाया जा रहा है। हालांकि वृद्धावस्था को अधिक रोगों व स्वास्थ्य समस्याओं के रूप में देखा गया है, पर हाल के समय में इस ओर अधिक महत्व दिया गया है कि समुचित सावधानियां बरत कर, अनुकूल स्थितियां उत्पन्न कर इन रोगों व स्वास्थ्य समस्याओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस तरह वृद्धावस्था को अधिक संतोषजनक व रचनात्मक बनाया जा सकता

है। जहां रोग का इलाज जरूरी है वहां यह और भी महत्वपूर्ण है कि नीतिगत व व्यक्तिगत स्तर पर बेहतर कदम उठाकर इन रोगों की संभावना को ही अपेक्षाकृत कहीं कम किया जा सकता है। जहां दुर्घटना होने पर चोट के इलाज की व्यवस्था जरूरी है, वहां यह भी सच है कि कुछ सावधानियां अपना कर चोट लगने की संभावना को ही काफी हद तक कम किया जा सकता है। यदि भारत की स्थिति देखें तो वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या 10.3 करोड़ थी व उसका भारत की इस समय की जनसंख्या में 8.6 प्रतिशत का हिस्सा था। वर्ष 2050 के लिए सरकारी स्तर पर अनुमान है कि तब तक 60 वर्ष से अधिक की आयु की जनसंख्या बढ़कर 31.9 करोड़ तक पहुंच जाएगी। यह उस समय की भारतीय जनसंख्या का 19.5 प्रतिशत होगा। अब यदि हम अधिक वृद्ध व्यक्तियों यानी 75 वर्ष की आयु से अधिक के व्यक्तियों की बात करें तो वर्ष 2011 और वर्ष 2050 के बीच इनकी संभावित वृद्धि की दर और भी अधिक है। सरकारी स्तर का अनुमान है कि इस दौर में कुल जनसंख्या में इनके हिस्से में 340 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इन स्थितियों को देखते हुए यह विमर्श और जरूरी हो जाता है कि उपलब्ध बजट व अन्य सीमाओं के बीच वृद्धावस्था को अधिक स्वस्थ व संतोषजनक कैसे बनाया जाए। निश्चय ही सभी वृद्ध लोगों तक समुचित पेंशन पहुंचाना बहुत जरूरी है। इसके साथ उनके स्वस्थ जीवन के लिए अनेक अन्य कदम उठाना भी आवश्यक है। जहां बीमारियों का इलाज व इसकी व्यवस्था आवश्यक है, वहां इससे भी अधिक जरूरी व लाभदायक है कि ऐसी नीतियों व कार्यक्रमों को अपनाया जाए जिनके आधार पर इन बीमारियों की संभावना को अपेक्षाकृत कहीं कम किया जा सके। बेहतर पोषण, शारीरिक व्यायाम, मानसिक सक्रियता बनाए रखने, बेहतर सामाजिक संबंधों व परिवार तथा समुदायों में वृद्ध व्यक्तियों को उचित महत्व व सम्मान देने के आधार पर वृद्धावस्था को कहीं अधिक स्वस्थ व संतोषजनक बनाया जा सकता है। दक्षिण राजस्थान में 'प्रबल यात्रा' कार्यक्रम को इसी सोच के आधार पर तैयार किया गया है व इसे अर्थ संस्था द्वारा लगभग 100 गांवों में क्रियान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आने वाले गांवों में वृद्ध नागरिकों को प्रबल यात्रा मंच के सदस्य के रूप में एक मंच पर लाया जाता है व वे हर महीने अपने गांव की एक सामूहिक मीटिंग में मिलते हैं व अपने विभिन्न सरोकारों, मुद्दों, समस्याओं व जीवन के अनुभवों की चर्चा करते हैं। इस आधार पर वे आगे भी ऐसी अगली मीटिंग होने तक, आपस में बेहतर विमर्श कर सकते हैं। ऐसी सामूहिक वार्ता में ऐसे पोषण सुधार की चर्चा होती है जो मौजूदा स्थितियों में वृद्ध लोगों के लिए संभव है। यदि दांत कमजोर होने के कारण कोई कोमल रूप में उपलब्ध खाद्य की जानकारी है, तो उसे एक–दूसरे से बांटा जा सकता है। प्रबल यात्रा कार्यक्रम ने सब्जियों के अधिक उपयोग व घर के पास सब्जी उगाने के लिए सहायता देने को महत्व दिया है। इस वार्ता में ऐसे साधारण व्यायाम के बारे में चर्चा व अभ्यास भी होता है, जो वृद्ध व्यक्ति आसानी से अपना सकते हैं। परस्पर मिल कर वृद्ध व्यक्ति ऐसे कुछ खेल भी खेलते हैं जिनसे मानसिक सक्रियता बनी रहे या इसमें सुधार हो। विभिन्न परिवारों के सहयोग से उनके घर व आसपास के क्षेत्र का ऐसा आकलन किया जाता है जिससे वृद्ध या अन्य व्यक्तियों के गिरने या दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना को कम किया जा सकता है।

{ देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के साथ घटी एक घटना याद आ रही है एक दिन नेहरू और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर संसद भवन में साथ–साथ चल रहे थे। अचानक नेहरू कुछ लड़खड़ाये। दिनकर ने उन्हें सहारा दिया। तब नेहरू ने दिनकर को धन्यवाद देते हुए कहा था आपने मुझे गिरने से बचा लिया। इस पर दिनकर ने मुस्कुराते हुए कहा था, `साहित्य का... }

मशाल बन सत्ता को संभालने का साहित्यिक दायित्व

एक दिन नेहरू और राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर संसद भवन में साथ–साथ चल रहे थे। अचानक नेहरू कुछ लड़खड़ाये। दिनकर ने उन्हें सहारा दिया। तब नेहरू ने दिनकर को धन्यवाद देते हुए कहा था आपने मुझे गिरने से बचा लिया। इस पर दिनकर ने मुस्कुराते हुए कहा था, 'साहित्य का काम है सत्ता को संभालना'। यह बात हमारे साहित्यकार कब समझेंगे? आप किसी को अपने घर बुलायें, और फिर उससे पूछें कि वह आपकी बातों से बोर तो नहीं हो रहा तो आप उससे क्या अपेक्षा करेंगे? यही न कि या तो वह आपसे कहेगा, अरे नहीं, आप तो बहुत अच्छी बातें बता रहे हैं, या फिर बोर हो रहा होगा तो कह देगा अपने मन की बात। ऐसे में आपसे अपेक्षा यह होती है कि आप शालीनता के साथ अपनी बात कहने का ढंग बदल देंगे। लेकिन यदि आप ऐसा न करके अपने अतिथि को अपने घर से निकल जाने और फिर कभी न बुलाने की बात कहने लगें तो आपको असभ्य और बदतमीज ही तो कहा जायेगा। उस दिन छत्तीसगढ़ के संत घासीदास विश्वविद्यालय में ऐसा ही हुआ। विश्वविद्यालय ने केंद्रीय साहित्य अकादमी के आर्थिक सहयोग से हिंदी कहानी की दशा–दिशा पर एक कार्यक्रम आयोजित किया था। देश के बड़े–बड़े साहित्यकार वहां उपस्थित थे। इनमें से एक मनोज रूपड़ा भी थे, जिनकी गणना हिंदी के श्रेष्ठ कहानीकारों में होती है। मेजबान कुलपति शायद स्वागत भाषण दे रहे थे। अचानक उन्होंने सामने बैठे अपने एक अतिथि, मनोज रूपड़ा से पूछ लिया वे उनकी बातों से ऊब तो नहीं रहे और मनोज रूपड़ा ने ईमानदारी से कह दिया, आप मुद्दे पर बोलें तो ज़्यादा अच्छा रहेगा। कुलपति महोदय ने इसे अपना अपमान समझा और यह कहते हुए कि वरिष्ठ कहानीकार में वॉइस चांसलर से बात करने का विवेक नहीं है, उन्हें फटकारते हुए हाल से बाहर निकलने का आदेश दे दिया। रूपड़ा उठकर बाहर चले गये, पर यह प्रकरण देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। सब तरफ कुलपति के 'असभ्य' व्यवहार की

आलोचना हो रही है। जिसने भी वायरल वीडियो पर यह प्रकरण देखा–सुना है, वह हैरान ही हो सकता है कि कुलपति जैसे ऊंचे आसन पर बैठा व्यक्ति इतना अनुचित व्यवहार कैसे कर सकता है! उम्मीद यह की जा रही थी कि कार्यक्रम के मेजबान कुलपति अपनी गलती का अहसास करते हुए क्षमा मांग लेंगे, या कम से कम अपने व्यवहार पर खेद तो व्यक्त करेंगे ही। पर घटना के पांच–छह दिन गुजर जाने और देशभर में उनके व्यवहार की हो रही भर्त्सना के बावजूद उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया है! इस दौरान साहित्य अकादमी ने एक अच्छा काम अवश्य किया हैदृ अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने इस घटना पर खेद व्यक्त करते हुए घोषणा की है कि संत घासीदास विश्वविद्यालय को आगे से अकादमी किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं देगी और न ही विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कोई कार्यक्रम करेगी। यह एक स्वागत–योग्य निर्णय है। खासकर ऐसी स्थिति में जबकि कुछ ही दिन पहले केंद्र सरकार द्वारा अकादमी के पुरस्कारों की घोषणा रोकने पर अकादमी की चुप्पी की आलोचना हो रही थी, साहित्य अकादमी का यह निर्णय कुछ दिलासा देने वाला है। बहरहाल, इसमें कोई संदेह नहीं कि विवादों में घिरे कुलपति ने सिर्फ एक साहित्यकार का नहीं, पूरे साहित्य–जगत का अपमान किया है। अपमान तो उन्होंने कुलपति के पद और अपने विश्वविद्यालय का भी किया है। जिन शब्दों में, और जिस लहजे में, कुलपति महोदय ने एक साहित्यकार की भर्त्सना की थी, होना तो यह चाहिए था कि उससे वहां उपस्थित सारे साहित्यकार और बाकी श्रोता भी, स्वयं को अपमानित महसूस करते। कुछ लोग अवश्य तब उठकर हाल से बाहर चले गये थे, पर सवाल यह उठता है कि जो साहित्यकार नहीं गये, वे क्यों बैठे रहे? उन्हें क्यों नहीं लगा कि कुलपति महोदय ने एक रचनाकार का ही नहीं, सारे साहित्यकारों का अपमान किया है। आश्चर्य तो इस बात पर भी होना चाहिए कि घटना के बाद लोगों ने उस कार्यक्रम में बैठे रहना उचित समझा। बताया जा रहा है कि आयोजन में कई वरिष्ठ साहित्यकार भी उपस्थित थे। न उन्हें वहां बैठे रहना गलत लगा और न ही असभ्य व्यवहार करने वाले कुलपति के हाथों 'सम्मानित' होना! यही नहीं, घटना के इतने दिनों बाद भी, वहां बैठे रहे साहित्यकारों का कोई बयान सामने न आना भी एक रहस्यमयी चुप्पी ही लगता है। शायद रहस्यमयी नहीं है यह चुप्पी। वे चुप क्यों रहे, यह वही जानें, पर यह अपने आप में कोई रहस्य नहीं है कि सत्ता, चाहे वह राजनीतिक हो अथवा प्रशासनिक, अक्सर साहित्य को अपने अधीन रखना चाहती है। चाहती ही नहीं, अधीन मानती भी है। न वह इतिहास से कुछ सीखना चाहती है, न ही वर्तमान को समझना चाहती है। पता नहीं, कुर्सी पर बैठे लोगों को यह याद क्यों नहीं रहता कि कभी बुंदेलखंड के राजा छत्रसाल ने कवि भूषण की पालकी को कंधा देकर उनके प्रति अपना सम्मान प्रकट किया था। इस इतिहास को कोई चाहे तो कल्पना भी कह सकता है, पर समझने की बात यह है कि राजा छत्रसाल और कवि भूषण का यह प्रकरण सत्ता और साहित्य के रिश्तों को परिभाषित करने वाला है। यहीं यह भी समझना जरूरी है कि किसी छत्रसाल (सत्ता) द्वारा सम्मानित होने के लिए भूषण (साहित्य) को अपनी पात्रता भी सिद्ध करनी होती है। संत घासीदास विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के द्वारा अनुचित व्यवहार के दौरान वहां उपस्थित साहित्यकारों की चुप्पी यही संकेत देती है कि या तो उन्होंने घटना में निहितार्थ को नहीं समझा या उनमें सत्ता के अनुचित घमंड का प्रतिकार करने का साहस नहीं था।

छिन जाएगा ट्रंप का नोबेल? पुरस्कार समिति ने किया साफ

नोबेल पुरस्कार को लेकर है क्योंकि वेनेजुएला की विपक्ष की नेता हैं मारिया मचाडो उन्होंने अपना नोबेल ट्रंप को क्या दिया इसको लेकर चर्चा होने लगी कि क्या नोबेल पुरस्कार जो है वो किसी और को दिया जा सकता है । नॉर्वे की नोबेल समिति ने शुक्रवार को कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार केवल आधिकारिक तौर पर इसे प्राप्त करने वाले व्यक्ति से ही जुड़ा रहता है, यह बात वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो द्वारा व्हाइट हाउस की यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को अपना 2025 का शांति पुरस्कार पदक भेंट करने के बाद कही गई। ओस्लो से जारी एक बयान में नोबेल समिति ने स्पष्ट किया कि भौतिक पदक, डिप्लोमा और पुरस्कार राशि को दिया जा सकता है, दान किया जा सकता है, बेचा जा सकता है

या किसी अन्य तरीके से सौंपा जा सकता है – लेकिन सम्मान स्वयं मूल विजेता के पास ही रहता है। नोबेल समिति के स्पष्टीकरण में कहा गया है, पदक, डिप्लोमा या पुरस्कार राशि का जो भी हो, इतिहास में पुरस्कार प्राप्तकर्ता के रूप में मूल विजेता का ही नाम दर्ज रहेगा। नोबेल समिति ने यह भी कहा कि भले ही पदक या डिप्लोमा बाद में किसी और के पास चला जाए, इससे नोबेल शांति पुरस्कार विजेता का नाम नहीं बदलेगा।

समिति ने आगे कहा कि वह शांति पुरस्कार विजेताओं या उनके द्वारा की जा रही राजनीतिक प्रक्रियाओं पर कोई टिप्पणी नहीं करेगी। नोबेल पुरस्कार संस्था ने कथित तौर पर कहा है कि पुरस्कार विजेताओं द्वारा प्राप्त पदक, डिप्लोमा या पुरस्कार राशि के उपयोग पर कोई प्रतिबंध नहीं है। संस्था ने यह भी बताया कि अतीत में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जब नोबेल पुरस्कार विजेताओं ने अपने पदक बेचे या दान कर दिए हैं। यह टिप्पणी मचाडो के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने अपना नोबेल शांति पुरस्कार पदक ट्रंप को प्रस्तुत कर दिया था। यह कदम निकोलस मादुरो की सत्ता से बेदखल होने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा उन्हें दरकिनार किए जाने के बाद उठाया गया था। ट्रंप ने पिछले साल के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए जोरदार प्रचार किया था, जिसमें उन्होंने आठ युद्धों को रोकने के अपने प्रयासों का हवाला दिया था। हालांकि, यह पुरस्कार मचाडो को मिला। उनसे पदक प्राप्त करने के बाद, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पुष्टि की कि उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है, जबकि नोबेल समिति ने दोहराया कि पुरस्कार को वापस नहीं लिया जा सकता, साझा नहीं किया जा सकता या किसी और को हस्तांतरित नहीं किया जा सकता। आज वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो से मिलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी। वह एक अद्भुत महिला हैं जिन्होंने बहुत कुछ सहा है। मारिया ने मेरे द्वारा किए गए कार्यों के लिए मुझे अपना नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया। आपसी सम्मान का यह कितना अद्भुत भाव है। धन्यवाद मारिया!

पेरू के क्लब एलियांजा लीमा से जुड़ीं भारतीय फुटबॉलर मनीषा कल्याण

भारतीय महिला टीम की मिडफील्डर मनीषा कल्याण ने पेरू के क्लब एलियांजा लीमा से करार किया है। मनीषा को 2020–21 में 'इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर' और 2022–23 में 'प्लेयर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

उन्होंने पहले यूएफा महिला चौंपियंस लीग में खेलने वाली पहली भारतीय फुटबॉलर बनकर इतिहास रचा था। इस मील के पत्थर ने उनके अंतरराष्ट्रीय प्रोफाइल में इजाफा किया।

लीमा में स्थित पेरू के क्लब ने एक बयान में कहा, ''एलियांजा लीमा महिला टीम मनीषा कल्याण के करार करने की घोषणा करती है जो एक भारतीय मिडफील्डर हैं और टीम को मजबूत करेंगी। यह खिलाड़ी यूनान के पीएओके एफसी से आई हैं जहां वह यूरोपीय फुटबॉल के शीर्ष स्तर पर खेली हैं। '' इसमें आगे कहा गया है, ''कल्याण ने क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया है। उनके पेशेवर करियर में भारत, साइप्रस और यूनान की लीग में खेलने का अनुभव शामिल है। '' क्लब में शामिल होने के बाद मनीषा ने कहा कि वह टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, ''मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। मुझे उनका खेलने का स्टाइल बहुत पसंद है। मैं इस नई चुनौती को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मेरा फोकस हमेशा शत प्रतिशत देने, हर मैच जीतने और टीम को उसके लक्ष्य हासिल करने में मदद करने पर है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी 20 श्रृंखला से बाहर हुए वाशिंगटन , बिश्नोई और अय्यर टीम में शामिल

लेग–स्पिनर रवि बिश्नोई को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के लिए भारत की

टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में चोटिल ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की जगह शामिल किया गया।

वाशिंगटन 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होने वाली सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए टीम में शामिल किया गया है क्योंकि तिलक वर्मा कमर की मांसपेशियों में खिंचाव (साइड स्ट्रेन) के कारण बाहर हो गए हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान में कहा, ''ऑलराउंडर (वाशिंगटन) न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। पुरुष चयन समिति ने रवि बिश्नोई को उनके स्थान पर नामित किया है। ''

बिश्नोई ने 42 टी20 अंतरराष्ट्रीय में 61 विकेट लिए हैं जिनमें से आखिरी मैच फरवरी 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। बीसीसीआई ने कहा, ''वाशिंगटन सुंदर ने 11 जनवरी को वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे के दौरान गेंदबाजी करते समय पसली के क्षेत्र में तेज दर्द की शिकायत की थी जिसके बाद उनका स्कैन कराया गया। ''

वाशिंगटन अब ठीक होने के लिए बीसीसीाई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' जाएंगे। इसमें कहा गया, ''इसके बाद एक विशेषज्ञ से व्यक्तिगत रूप से सलाह ली गई। उन्हें 'साइड स्ट्रेन' का पता चला है और उन्हें कुछ दिनों के आराम की सलाह दी गई है जिसके बाद वह अपनी चोट के आगे के इलाज के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करेंगे। ''

भारत की अपडेट हुई टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम इस प्रकार हैरू सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (पहले तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उप–कप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

नोवाक जोकोविच ने अल्काराजसिनर – को बताया सबसे ताकतवर, ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले दी बड़ी चेतावनी

आगामी ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले, सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने टूर्नामेंट में अपनी जीत की संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि जब वे स्वस्थ और अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होते हैं, तो वे किसी को भी हरा सकते हैं। जोकोविच ने यह भी कहा कि स्टार टेनिस खिलाड़ी जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज इस समय पुरुष टेनिस में अपना दबदबा बनाए हुए हैं, लेकिन उनका मानना घ्छै कि अन्य खिलाड़ियों के लिए भी आगे बढ़ने का मौका है।

एटीपी टूर की वेबसाइट के अनुसार, जोकोविच ने कहा कि मुझे पता है कि जब मैं स्वस्थ होता हूं, जब मैं किसी भी दिन अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाता हूं, तो मुझे लगता है कि मैं किसी को भी हरा सकता हूं। अगर मुझमें यह आत्मविश्वास और आत्म–विश्वास नहीं होता, तो मैं यहां बैठकर आप लोगों से बात नहीं कर रहा होता या प्रतियोगिता में भाग नहीं ले रहा होता। जोकोविच ने कहा कि मैं समझता हूँ कि सिनर और अल्काराज इस समय एक अलग ही स्तर पर खेल रहे हैं... लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि किसी और के पास मौका नहीं है। इसलिए मुझे हमेशा अपनी संभावनाओं पर भरोसा रहता है, किसी भी टूर्नामेंट में, खासकर यहाँ।

जोकोविच ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम पुरुष एकल खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और ओपन एरा में 38 या उससे अधिक उम्र में ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले पहले पुरुष बनने की कोशिश कर रहे हैं। जोकोविच को सिनर और अल्काराज को हराना होगा, जिन्होंने 2023 यूएस ओपन में अपना 24वां खिताब जीतने के बाद से पिछले आठ ग्रैंड स्लैम खिताब आपस में बाँटे हैं। पिछले साल, जोकोविच चारों ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुँचे थे, लेकिन सिनर और अल्काराज उनके लिए बाधा बने रहे हैं। सर्बियाई दिग्गज ने सिनर और अल्काराज के दबदबे को स्वीकार करते हुए कहा कि वे जहाँ हैं, उसके वे पूरी तरह हकदार हैं, क्योंकि वे इस समय पुरुष टेनिस में सबसे ताकतवर खिलाड़ी हैं।

हरैया विधायक हरैया विधायक अजय सिंह के सहयोग से 5000 यात्री मौनी अमावस्या स्नान के लिए प्रयागराज रवाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। हरैया विधायक अजय सिंह ने मौनी अमावस्या पर गंगा स्नान के लिए क्षेत्र वासियों को निशुल्क निजी बस सुविधा मुहैया कराकर बड़ी सौगात दी है। शनिवार को 100 बसों में 5000 यात्री प्रयागराज के लिए रवाना हुए। यात्रा को गोरखपुर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानन्द राय, अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी और अन्य ने झंडी दिखाकर रवाना किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने विधायक के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि क्षेत्र के जो अक्षम लोग हैं उनके लिए इस तरह के कार्य करना निश्चित तौर पर सराहनीय है। उन्होंने कहा कि संगम स्नान हिंदू धर्म की सबसे पवित्र परंपराओं में से एक है और इससे श्रद्धालुओं को आस्था और आत्मशुद्धि का अद्भुत अवसर प्राप्त होता है। महापौर ने कहा कि मौनी अमावस्या पर तीर्थराज प्रयाग के संगम पर स्नान का विशेष महत्व है। यहां पर स्नान और दान करने से पूर्वज प्रसन्न होते हैं साथ ही आने वाली पीढ़ियों को भी इसका विशेष फल मिलता है।

कहा कि इससे मोक्ष व सुख–समृद्धि मिलती है। उन्होंने विधायक की सराहना करते हुए कहा कि विधायक द्वारा क्षेत्रवासियों को दी जा रही यह सुविधा प्रशंसनीय है। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने श्रद्धालुओं के सुखद और मंगल यात्रा की कामना करते हुए शुभकामना दिया। विधायक अजय सिंह ने कहा कि यात्रियों के लिए रहने खाने इत्यादि की भी व्यवस्था निःशुल्क कराई गई है। बताया कि यह बसें तीर्थयात्रियों को लेकर प्रयागराज जाएंगी, जहां उन्हें दर्शन स्नान कराने के बाद वापस अयोध्या दर्शन कराते हुए उनके गंतव्य तक पहुंचाएंगी। कहा कि मौनी अमावस्या का संगम स्नान केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति परंपरा का केंद्र है। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ जय श्रीराम के नारे लगाए। विधायक ने यात्रा के लिए आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी श्रद्धालुओं में किया। इस अवसर पर सुशील सिंह, यशवंत सिंह, पवन कसौधन, प्रेमसागर तिवारी, रवि सोनकर, प्रत्यूष विक्रम सिंह, .ष्ण कुमार सिंह, श्रीश पाण्डेय, दुष्यन्त विक्रम सिंह, रघुनाथ सिंह, अंकुर वर्मा, भोला निषाद, दिवाकर मिश्र, सरोज बाबा, अजय तिवारी, अमरनाथ सिंह, धर्मध्वज सिंह सभासद, प्रेम शंकर ओझा, विवेक कान्त पाण्डेय सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

कपड़ा, दवा, इंजीनियरिंग क्षेत्रों को भारत–ईयू एफटीए से मिलेगा बड़ा बढ़ावा: निर्यातक

भारत और यूरोपीय संघ के बीच आगामी मुक्त व्यापार समझौता भारतीय व्यापार और अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ साबित होने वाला है। निर्यातकों और उद्योग जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता भारतीय उत्पादों के लिए यूरोपीय बाजारों के द्वार पूरी तरह खोल देगा। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से कपड़ा, दवा, रसायन, इंजीनियरिंग सामान, रत्न और आभूषणों के निर्यात को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। कपड़ा और परिधानः वर्तमान में भारतीय कपड़ा उद्योग को यूरोपीय बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। शुल्क समाप्त होने से भारतीय कपड़े वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगे। दवा और रसायनः गुणवत्ता और लागत के मामले में भारतीय दवाएं पहले से ही अग्रणी हैं। FTA से यूरोपीय स्वास्थ्य क्षेत्र में भारत की पैठ और गहरी होगी। इंजीनियरिंग और मशीनरीरू इंजीनियरिंग सामानों के लिए यूरोप एक बड़ा खरीदार है। शुल्क मुक्त व्यापार से इस क्षेत्र में निवेश और उत्पादन बढ़ेगा।

रत्न और आभूषणः भारतीय कारीगरी और रत्न यूरोपीय ग्राहकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं, जिन्हें अब और बड़ा बाजार मिलेगा।

निर्यतकों ने यह उम्मीद जताई। इस समझौते के लिए वार्ता पूरी होने की घोषणा 27 जनवरी को हो सकती है। उद्योग का अनुमान है कि एफटीए के कारण शुल्क समाप्त होने से अगले तीन वर्षों में यूरोपीय संघ को होने वाला निर्यात दोगुना हो जाएगा। निर्यातकों ने उल्लेख किया कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच यह समझौता निर्यातकों के लिए एक स्थिर ढांचा प्रदान करेगा।

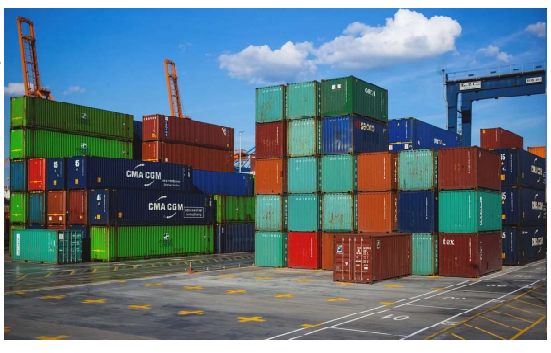

इससे भारतीय कंपनियां दीर्घकालिक निवेश की योजना बना सकेंगी और यूरोपीय मूल्य श्रृंखला से जुड़कर बाजार तक पहुंच सुरक्षित कर सकेंगी। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद के चेयरमैन ए शक्तिवेल ने कहा, यह एफटीए किसी एक बाजार पर हमारी निर्भरता को कम करने के लिहाज से एक बड़ा बदलाव लाने वाला साबित होगा।

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी शुल्क बहुत अधिक होने के कारण घरेलू निर्यातकों को उच्च लागत और प्रतिस्पर्धा में कमी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में वे अपने निर्यात बाजार में विविधता लाने की कोशिश कर रहे हैं।कानपुर स्थित ग्रोमोर इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक यदुवेंद्र सिंह सचान ने कहा कि घरेलू चमड़ा निर्यातकों को इस अवसर का उपयोग निर्यात बढ़ाने के लिए करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह एफटीए भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ा बदलाव लाएगा। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने कहा कि अमेरिकी शुल्कों में भारी वृद्धि भारतीय निर्यातों के एक बड़े दायरे को प्रभावित कर रही है, जिससे निर्यात बाजारों और व्यापार रणनीतियों में विविधीकरण को बढ़ावा देने की जरूरत का पता चलता है।

प्रदर्शन, इंटरनेट बंद और डर का माहौल, लेकिन मोदी हैं तो मुमकिन हैं. ..ईरान से लौटे भारतीय नागरिकों ने क्या बड़ा खुलासा कर दिया

ईरान में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के बीच, छात्रों और तीर्थयात्रियों सहित कई भारतीय नागरिक शुक्रवार देर रात नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। ईरान में अस्थिरता को देखते हुए भारतीय सरकार द्वारा वहां मौजूद अपने नागरिकों को देश छोड़ने की सलाह दिए जाने के बाद ये आगमन हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है और भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईरान से लौटे एक भारतीय नागरिक ने स्थिति को बिगड़ता हुआ बताया और भारतीय अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, उन्होंने कहा कि वहां हालात खराब हैं। भारत सरकार बहुत सहयोग कर रही है और दूतावास ने हमें जल्द से जल्द ईरान छोड़ने के बारे में जानकारी दी। 'मोदी जी हैं तो हर चीज मुमकिन है। अधिकारियों ने बताया कि ईरान से भारतीयों को लेकर आने वाली पहली उड़ान, महान एयर की तेहरान से उड़ान संख्या 5–071, दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गई। लौटने वालों के परिवार टर्मिनल पर अपने रिश्तेदारों का स्वागत करने के लिए जमा हुए, जिनमें अशांति के कारण फंसे तीर्थयात्री भी शामिल थे।

एक अन्य लौटे हुए व्यक्ति ने बताया कि प्रतिबंधों के कारण संचार मुश्किल हो गया था।

यात्री ने एएनआई को बताया हम वहां एक महीने तक रहे, लेकिन हमें मुख्य रूप से आखिरी एक–दो हफ्तों में परेशानी हुई। जब हम बाहर निकलते, तो प्रदर्शनकारी गाड़ी के सामने आकर हंगामा करते। इंटरनेट बंद था, इसलिए हम अपने परिवारों को कुछ नहीं बता पाए और चिंतित थे। हम दूतावास से भी संपर्क नहीं कर पाए। जम्मू और कश्मीर के एक तीसरे भारतीय नागरिक ने कहा कि स्थिति खतरनाक हो गई थी। "मैं जम्मू और कश्मीर का निवासी हूं३ वहां के प्रदर्शन खतरनाक थे। भारत सरकार ने बहुत अच्छा प्रयास किया और छात्रों को वापस ले आई।

सरकारी सूत्रों के अनुसार मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जमीनी स्थिति के अनुसार प्रतिक्रिया देने की तैयारी चल रही है, जिसमें वापस यात्रा करने के इच्छुक भारतीय नागरिकों की वापसी को सुविधाजनक बनाना भी शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि घटनाक्रम के अनुसार योजनाओं की नियमित रूप से समीक्षा की जा रही है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने पुष्टि की है कि ईरान के विभिन्न हिस्सों में फंसे भारतीय छात्रों का विवरण एकत्र किया जा रहा है, हालांकि कई क्षेत्रों में इंटरनेट बंद होने के कारण संचार धीमा हो गया है।

एमडीएस (एमडीएस) मैरिज हॉल में हुआ सामूहिक विवाह का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनप्रतिनिधि,जिलाधिकारी,पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में हुआ सामूहिक विवाह का आयोजन तुलसीपुर क्षेत्रान्तर्गत एम0डी0एस0 मैरिज हॉल तुलसीपुर में

आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जोड़ों ने वैवाहिक बंधन में बंधकर सामाजिक समरसता, समानता एवं सद्भाव का प्रेरणादायक संदेश दिया। सबने नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी– कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नाबालिक का अपहरण करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, नाबालिक सकुशल बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर के पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन में, जनपदीय पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय के

मार्गदर्शन में तथा क्षेत्राधिकारी उतरौला राघवेन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष श्रीदत्तगंज अविरल शुक्ल के नेतृत्व में– आज दिनांक 17.01.2026 को थाना स्थानीय पर सुसंगत धाराओं में पंजी.त मु0अ0सं0 03/2026, धारा 137(2), 351(3) भारतीय न्याय संहिता (ठधै) से संबंधित अभियुक्त की तलाश की जा रही थी। उ0नि0 अशोक कुमार मय हमराह टीम कांस्टेबल सन्तोष कुमार एवं महिला कांस्टेबल कोमल रस्तोगी द्वारा फक्कड़दास चौराहा, उतरौला, जनपद बलरामपुर से अभियुक्त रितेश वर्मा को गिरतार किया गया। गिरतारी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से अपहृत नाबालिक बालिका को सकुशल बरामद किया गया। बरामदगी एवं गिरतारी के पश्चात अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए अभियुक्त को माननीय न्यायालय, बलरामपुर के समक्ष प्रस्तुत किए जाने हेतु रवाना किया गया। गिरतार अभियुक्त का विवरण– रितेश वर्मा पुत्र सुरेश वर्म निवासी ग्राम शिवदयालपुर कोल्हुई बिनौहनी थाना श्रीदत्तगंज जनपद बलरामपुर।

फटे तिरंगा झंडे को बदलने की मांग : डीएम को सौंपा नया झण्डा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शनिवार को जिले के झंडा चौराहे पर लगे तिरंगा झंडा के फटे होने की सूचना पर भाजपा नेताओं, समाज सेवियों ने आशीष शुक्ला के नेतृत्व में जिलाधिकारी .तिका ज्योत्सना से मुलाकात कर उन्हें

नया झंडा देकर तिरंगा चौराहे पर फटे हुए झंडे को उतरवाकर नए झंडा लगाने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी को बताया कि यह बस्ती विकास प्राधिकरण का कार्य है कि फटे हुए तिरंगे झंडे को बदला जाए और 26 जनवरी पास में है और फटा हुआ झंडा लहरा रहा है, यह तिरंगे का अपमान है। समाज सेवी एवं भाजपा नेताओं से जिलाधिकारी ने कहा कि जल्द से जल्द तिरंगा झंडा बदलकर नए तिरंगे झंडे को लगाया जायेगा। इस दौरान भाजपा नेता आलोक पाण्डेय, प्रशांत पाण्डेय, रहबर, अंकित तिवारी, सोनू पाण्डेय, सत्येंद्र चौधरी, लाल उपाध्याय, शिवम पाण्डेय, पंडित आशीष शुक्ला, माता प्रसाद निषाद, अवधेश उपाध्याय, पंकज चौधरी, अंकुर तिवारी, आदित्य तिवारी, राजीव मिश्रा आदि शामिल रहे।

सदर विधायक ने संभाली बूथों की कमान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। प्रदेश में चलाए जा रहे मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत शनिवार को सदर विधायक भूपेश चौबे ने रॉबर्ट्सगंज नगर के जोगिया वीर मोहाल के बूथ संख्या 52व 53 में नाम जोड़ने का फॉर्म भरवाने के साथ अन्य औपचारिकताए पूर्ण

कराईं। मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने काफी गंभीरता से लिया है उन्होंने पार्टी के समस्त लोगों को संदेश दिया है कि इस कार्य में कोई कोताही न बरती जाए। तमाम कार्य छोड़कर मतदाता सूची पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है इसी के तहत सदर विधायक भूपेश चौबे को सदर विधानसभा के बुथ संख्या 52 53 का प्रवासी बनाया गया है प्रवासी का दायित्व मिलने के साथ विधायक सक्रिय हो गए हैं शनिवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या। 52 53 पर पहुंच कर जिनकी उम्र 18 वर्ष होने वाली है उनके लिए फॉर्म 6भरवाने का कार्य कराया इसी के साथ फार्म 7व फार्म 8 भी भी भरवाया गया इस मौके पर उन्होंने मतदाताओं को जागरूक करते हुए कहा कि परिवार में जिनका मतदाता सूची में नाम नहीं है और वह 18 वर्ष के हैं तो वह फॉर्म सिक्स भरें यदि परिवार में कोई बाहर रहता हो मतदाता सूची में उसका बाहर नाम हो या मृत्यु हो चुकी हो तो नाम निकालने के लिए फार्म 8 भरें किसी का भी नाम जो पात्र है मतदाता सूची में छूटना नहीं चाहिए उन्होंने अपने साथ के लोगों को भी सजक करते हुए कहा कि यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह मतदाता सूची में मतदाता के रूप में दर्ज हो और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करें।

डीआईजी के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक बहराइच ने थाना प्रभारी, उपनिरीक्षक एवं पुलिसकर्मी को किया निलंबित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद बहराइच के थाना मटेरा क्षेत्र से जुड़े एक गंभीर अपहरण प्रकरण में पुलिस की बड़ी लापरवाही और भ्रष्टाचार सामने आया है। मामले में दोषी पाए जाने पर थाना प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।। प्रेस नोट के अनुसार, गजेन्द्र सिंह पुत्र स्व. फूल सिंह, निवासी सिकंदरपुरवा, थाना रिसिया, जनपद बहराइच द्वारा कोलकाता की रहने वाली एक युवती का अपहरण कर उसे अपने बहनोई मुनिजर सिंह पुत्र स्व. हरजीत सिंह, निवासी ग्राम धनौली गौरा, थाना मटेरा, जनपद बहराइच के घर में रखा गया था। स संबंध में थाना मध्यमग्राम, जिला नार्थ 24 परगना (पश्चिम बंगाल) में मुकदमा संख्या 0308/2025, धारा 137 (2) बीएनएस के अंतर्गत पंजी.त किया गया। पश्चिम बंगाल पुलिस टीम स्थानीय थाना मटेरा

पुलिस के सहयोग से मौके पर पहुंची और अपहृता को मुनिजर सिंह के घर से बरामद कर लिया गया। साथ ही आरोपी गजेन्द्र सिंह और मुनिजर सिंह को थाना मटेरा लाया गया। आरोप है कि थाना मटेरा के तत्कालीन थानाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बोहद, उपनिरीक्षक विशाल जायसवाल तथा आरक्षी अवधेश यादव ने आरोपी मुनिजर सिंह से 01 लाख रुपये की रिश्वत लेकर उसे थाने से छोड़ दिया। इस संबंध में शिकायत भ्रष्टाचार निरोधी हेल्पलाइन नंबर 8467919487 पर दर्ज कराई गई थी।

शिकायत के उपरांत पुलिस महानिरीक्षक, देवीपाटन मंडल की भ्रष्टाचार निरोधी सेल द्वारा गोपनीय जांच कराई गई, जिसमें प्रथम . ष्टतया आरोप सही पाए गए। विस्तृत जांच में भी पुलिसकर्मियों के दोषी होने की पुष्टि हुई। बाद में आरोपी पक्ष द्वारा पीड़ित धनराशि वापस कराई गई। मामले में दोषी पाए जाने के पश्चात तीनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनके विरुद्ध उत्तर प्रदेश पुलिस अधिकारियोंकी आचरण नियमावली–1991 के नियम 14(1) के तहत विभागीय कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। डीआईजी गोंडा ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार के मामलों में जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जा रही है और भविष्य में भी इस प्रकार की शिकायतों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश, आयुक्त ने बांटे कंबल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। देवीपाटन मंडल के आयुक्त द्वारा संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील सदर सभागार में जनसुनवाई का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता

और संवेदनशीलता के साथ सुना गया।राजस्व,पुलिस, विकास,नगर निकाय सहित विभिन्न विभागों से संबंधित मामलों पर अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध,पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

जनसुनवाई के दौरान कई प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया,जबकि शेष मामलों में संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।आयुक्त ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना ही नहीं,बल्कि पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करना है, ताकि जनता का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो।संपूर्ण समाधान दिवस के उपरांत आयुक्त द्वारा मूकबधिर एवं श्रवण बाधित जरूरतमंद दिव्यांग जनों को कंबल वितरित किए गए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर,असहाय एवं दिव्यांग वर्गों के कल्याण के लिए शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं और उनका लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। कंबल पाकर दिव्यांग जनों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ झलकता नजर आया।कार्यक्रम के अंत में आयुक्त ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि शासन की जनकल्याणकारी नीतियों का वास्तविक लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

सैटरडे एक्टिविटीज कार्यक्रम का सफल आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। आज मुख्यालय स्थित सुंदर दास रामलाल इंटर कॉलेज, बलरामपुर में सैटरडे एक्टिविटीज का कार्यक्रम अत्यंत उल्लासपूर्वक एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर कक्षा नर्सरी से कक्षा 11 तक कक्षा–वार विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत म्यूजिकल चेयर, कलरिंग एवं ड्राइंग प्रतियोगिता, निबंध लेखन, भाषण प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक तथा चित्रकला प्रतियोगिता जैसी रचनात्मक एवं बौद्धिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभिन्न कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं के नाम इस प्रकार हैं– कक्षा 1 रूअफवान, भूपेंद्र पांडे, प्रतीक कक्षा 2 रू प्राची, साक्षी, स्वास्तिक कक्षा 3 रू एंजेल तिवारी, मरियम, काव्या कक्षा 4 रू आराध्या मिश्रा, योगिता पांडे, नजीब अली कक्षा 5 रू नव्या, मानवी, शालिनी कक्षा 6 रू इशिता तिवारी, रुद्रांश द्विवेदी, अनमोल पटेल कक्षा 7 रू जानवी, आराध्या, सुभाष कक्षा 8 रू परी मिश्रा, अन्या द्विवेदी, सनी पाल इसके अतिरिक्त कक्षा 9 एवं कक्षा 11 के छात्र–छात्राओं द्वारा भाषण प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक में सराहनीय प्रस्तुति दी गई। इन गतिविधियों का विषय "सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान" रहा, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज को यातायात नियमों के पालन एवं सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रभावी संदेश दिया। इस प्रतियोगिता में अक्षय तिवारी, गार्गी, आरोही जायसवाल, तन्वी, अंकित, ममता, खुशबू, अदिति, स्वाति तिवारी, अभय शुक्ला, हरिशंकर तिवारी, देवराज सहित अन्य छात्र–छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की। विद्यालय परिवार सभी प्रतिभागी छात्र–छात्राओं को हार्दिक बधाई देता है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा प्रदान करते हैं।

बलरामपुर के एनसीसी कैडेटों ने एक बार फिर जिले का नाम रोशन किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। एमएलके पीजी कॉलेज बलरामपुर के एनसीसी कैडेटों ने एक बार फिर जिले का नाम रोशन किया है। विभिन्न वर्षों में एनसीसी 'सी' सर्टिफिकेट उत्तीर्ण करने वाले पांच कैडेटों का चयन एसएससी जीडी के अंतर्गत कांस्टेबल पद पर केंद्रीय सशस्त्र बलों में हुआ है। इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल है और छात्रों में देशसेवा के प्रति नई प्रेरणा जगी है। इन कैडेटों का हुआ चयन महाविद्यालय से वर्ष 2023 में एनसीसी 'सी' सर्टिफिकेट उत्तीर्ण कैडेट बसंत

लाल यादव का चयन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (ब्त्च्थ्) में हुआ है। वर्ष 2024 में 'सी' सर्टिफिकेट उत्तीर्ण कैडेट अजय कुमार मिश्र का चयन केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (ब्प्ै) में हुआ है। वहीं, वर्ष 2020 में 'सी' सर्टिफिकेट उत्तीर्ण कैडेट अभिषेक उपाध्याय का भी चयन ब्प्ै के लिए हुआ है। इसी क्रम में वर्ष 2022 में एनसीसी 'सी' सर्टिफिकेट उत्तीर्ण कैडेट आलोक कुमार तिवारी का चयन सशस्त्र सीमा बल (SSB) में हुआ है, जबकि वर्ष 2025 में 'सी' सर्टिफिकेट उत्तीर्ण कैडेट रूबी वर्मा का चयन भारतीय नौसेना के लिए हुआ है। सभी का चयन एसएससी जीडी के तहत कांस्टेबल पद पर हुआ है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जे.पी. पाण्डेय ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि एनसीसी के माध्यम से छात्रों में अनुशासन, नेतृत्व और देशभक्ति की भावना विकसित होती है, जिसका सकारात्मक परिणाम लगातार सामने आ रहा है। महाविद्यालय के एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर लेटिनेंट डॉ. देवेन्द्र कुमार चौहान ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि पिछले वर्ष भी कॉलेज के 13 कैडेटों का चयन एसएससी जीडी, पुलिस भर्ती और अग्निवीर योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों में हुआ था। उन्होंने कहा कि एनसीसी प्रशिक्षण के कारण छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं और शारीरिक दक्षता परीक्षण में बढ़त मिलती है। कैडेटों की इस उपलब्धि से कॉलेज के अन्य छात्रों में भी केंद्रीय सशस्त्र बलों में जाने का उत्साह बढ़ा है। शिक्षकों और अभिभावकों ने भी चयनित कैडेटों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और आने वाले समय में और अधिक छात्र देशसेवा के लिए आगे आएंगे।

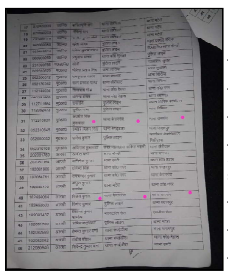

घना कोहरा होने के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई बाइक, गंभीर रूप से घायल हुआ युवक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। घने कोहरे के कारण वजीरगंज.कुंडासर मार्ग पर शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। घरुवा.झिंगरी पुल के पास बाइक सवार युवक पारले मिल को गन्ना ले जा रही लोड ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकरा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही वजीरगंज पुलिस चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाया। घायल युवक के हुजूरपुर क्षेत्र का निवासी होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घना कोहरा होने के कारण .श्यता बेहद कम थी, जिससे यह दुर्घटना हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घायल की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

तहसील महसी में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

महसी/बहराइच। आज दिनांक 17.01.2026 को जनपद के प्रत्येक तहसील स्तर पर "सम्पूर्ण समाधान दिवस" का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा तहसील महसी में उपस्थित रहकर सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता की गई। इस

दौरान फरियादियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच कर विधिक निस्तारण करने तथा निस्तारित प्रार्थना पत्रों की आख्या समय से प्रेषित करने के लिए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा कुछ शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित कर मौके पर जाकर जाँचकर निस्तारण करने हेतु रवाना किया गया। इस दौरान सीडीओ, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, राजस्व व प्रशासन के अन्य अधिकारी–कर्मचारीगण मौजूद रहे।

स्थानांतरण नीति को चुनौती दे रहे थाने में डटे सिपाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। बहराइच जिले के कैसरगंज थाने पर तैनात दो सिपाही विजय कुमार और अवधेश सिंह कुशवाहा जिनका 19.12.2025 को पुलिस अधीक्षक के आदेश पर रामगांव थाने में ट्रांसफर हुआ था पर इन दोनों को कैसरगंज थाने से इतना मोह है कि जनाब का जाने का मन नहीं करता जबकि इनके बाद क्षेत्राधिकारी कैसरगंज का ट्रान्सफर हुआ वो चले गए और कैसरगंज कोतवाल का ट्रांसफर हुआ वो भी चले गए लेकिन सिपाही अभी डेरा डाले हुए है कैसरगंज थाने में आखिर किसके सह पर ये सिपाहीं स साहब के आदेशों को नहीं मान रहे। मामले के सम्बन्ध में पुलिस क्षेत्राधिकारी डीके श्रीवास्तव ने कहा कि इनका स्थानांतरण हो चुका है बिना किसी रिलिबिंग के कार्यालय में जमे हुए हैं जो नहीं होना चाहिए।

मकर संक्रांति के अवसर पर सामूहिक खिचड़ी भोज

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद बलरामपुर में मकर संक्रांति के अवसर पर सामूहिक खिचड़ी भोज का कार्यक्रम श्री ठाकुर द्वारा कसौधन

परिवार राम जानकी मंदिर सेखुवा परमेश्वरी बलरामपुर में खिचड़ी भोज का कार्यक्रम किया गया जिसमें रघुनाथ शुक्ला,डॉक्टर वाई पी गुप्ता,.ष्ण गोपाल गुप्ता,जय किशन गुप्ता,सर्वजीत गुप्ता रामगोपाल गुप्ता,अशोक गुप्ता, रवीन्द्र गुप्ता कमलापुरी गौ सेवक,घनश्याम चौहान,विपिन कसौधन,व नीलम गुप्ता,क्षमा गुप्ता,गीतांजलि गुप्ता,विजय लक्ष्मी,गुप्ता कुसुम लता,झूमा सिंह,वंदना श्रीवास्तव,विमला तिवारी,सुनीता श्रीवास्तव आदि काफी संख्या में लोग खिचड़ी भोज के कार्यक्रम में मौजूद रहे।

शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से किया जाये सुनिश्चित–जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन की मन्शा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में जनवरी महीने के द्वितीय शनिवार को ''सम्पूर्ण समाधान दिवस '' का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस घोरावल में जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को बड़े ही सरल भाव से सुना गया, सम्पूर्ण समाधान दिवस में ज्यादातर मामले जमीन सम्बन्धित प्राप्त हुए, जिसका शंका समाधान मौके पर ही तत्परता के साथ निस्तारण किया गया। जमीन सम्बन्धी मामले को स्थलीय स्थिति की जॉच करते हुए टीम द्वारा प्रकरणों का निस्तारण भी कराया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण किया जाये। उन्होंने कहा कि सम्बन्धित अधिकारी अपने–अपने कार्यालयों में समय से उपस्थित होते हुए जनमानस के शिकायतों का निस्तारण समय से करना सुनिश्चित करेंगें। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आई0जी0आर0एस0, सम्पूर्ण समाधान दिवस, थाना दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ताओं का फीडबैक लेते हुए शिकायतों का निस्तारण किया जाये, जिससे कि शिकायतकर्ता को किसी प्रकार की समस्या न हो और उनके प्रकरण का निस्तारण समय से किया जा सके, शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण न होने पर सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। शिकायतों में राजस्व विभाग की 35, विकास विभाग की 8, विद्युत विभाग की 30, पुलिस विभाग की 10 एवं 7 शिकायतें अन्य प्राप्त हुई। तहसील घोरावल को मुख्य सडक से कनेक्ट करने वाली डेढ किलोमीटर लंबा लिंक मार्ग को बनाने हेतु पीडब्ल्यूडी विभाग को जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि तहसील घोरावल के परिसर में क्षेत्राधिकारी पुलिस, सी0ओ0 चकबंदी, ग्राम न्यायालय ,सब रजिस्टार ऑफिस पूर्ति निरीक्षक कार्यालय आदि भी संचालित है। दिन प्रतिदिन के कार्यों हेतु लगभग 2000 लोगों का आना–जाना तहसील परिसर में रहता है। इस समस्या को देखते हुए सडक के निर्माण हेतु निर्देशित किया गया। मौके पर अधिशासी अभियंता को भेज कर

सर्वे भी कराया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी घोरावल ने 90 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 12 मामलें निस्तारित किये गये और 04 टीम को क्षेत्र में भेजकर 04 प्रकरण को निस्तारित किये गये। इस प्रकार तहसील दिवस घोरावल में कुल 16 मामले निस्तारित हुए, बाकी 74 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 पंकज कुमार राय, परियोजना अधिकारी डूडा सुधांशु शेखर शर्मा, डी0सी0 मनरेगा रवीन्द्र वीर सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें। सम्पूर्ण समाधान दिवस राबर्ट्सगंज में अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया, इस दौरान क्षेत्रों में भी टीम भेजकर प्रकरणों का निस्तारण कराया गया और सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी(वि0/रा0),उप जिलाधिकारी राबर्ट्सगंज उत्कर्ष द्विवेदी, तहसीलदार राबर्ट्सगंज अमित कुमार आदि ने 84 शिकायतें सुनते हुए मौके पर ही 9 मामलें निस्तारित किये गये। 05 टीम को क्षेत्र में भेजकर 05 प्रकरण को निस्तारित किये गये। इस प्रकार तहसील दिवस राबर्ट्सगंज में कुल 14 मामले निस्तारित हुए, बाकी 70 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। सम्पूर्ण समाधान दिवस ओबरा का आयोजन उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में शिकायतकर्ता के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना–पत्रों का निस्तारण किया गया। इस मौके पर तहसीलदार,नायब तहसीलदार आदि ने 14 शिकायतों को सुनते हुए ,मौके पर ही 03 मामलें निस्तारित किये गये, बाकी 11 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। सम्पूर्ण समाधान दिवस दुद्धी का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर तहसील दिवस में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया। सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शिकायतकर्ताओं के प्रकरण के निस्तारण में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये, अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी दुद्धी निखिल यादव, तहसीलदार दुद्धी, सी0ओ0 दुद्धी व पिपरी आदि ने 32 शिकायतें सुनते हुए 01 मामलें मौके पर निस्तारित किये गये, बाकी 31 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये।

कांट्रेक्टर समेत पांच लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करीब दो माह पूर्व कंपनी के कांट्रेक्टर की मिली भगत से आदिवासी व्यक्ति सुरजमन चेरो की गला दबाकर हत्या किए जाने के मामले में विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र आबिद शमीम की अदालत ने प्रभारी निरीक्षक कोन को कांट्रेक्टर समेत पांच लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने व सीओ से मामले की विवेचना कराने के साथ ही परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है। यह आदेश कोन थाना क्षेत्र के गिधियाँ गांव के टोला डोड़वाखाड़ निवासी अरुण चेरो पुत्र स्वर्गीय सुरजमन चेरो द्वारा अधिवक्ता रोशनलाल यादव के जरिए दाखिल 173(4) बीएनएसएस प्रार्थना पत्र पर दिया गया है। दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि 8 अक्तूबर 2025 को 8 बजे रात की घटना है। गांव के अरविंद गुप्ता व विनय गुप्ता पुत्रगण मानिकचंद गुप्ता, पंकज गुप्ता पुत्र उमेश गुप्ता व धीरज गुप्ता पुत्र सुभाष चंद गुप्ता एकराय होकर उसके घर पर आए और कहा कि महाराष्ट्र की एक कंपनी में काम करने चलना है। तुम बाप बेटा तैयार हो जाओ तुरंत चलना है। चोपन से ट्रेन पकड़ना है। जब जाने से मना कर दिया तो चारों लोग पिता पुत्र को मारने पीटने लगे और जबरन घसीटकर दो बाइक पर बैठाकर कोन बाजार ले गए। विनय गुप्ता, पंकज गुप्ता व धीरज गुप्ता वापस लौट गए। अरविंद गुप्ता शक्तिपुंज ट्रेन से पिता पुत्र को जबलपुर ले गया। वहां से पिता पुत्र को नागपुर फिर महाराष्ट्र के चंद्रपुर ले गया। रास्ते भर पिता पुत्र को धमकी देता रहा कि अगर किसी से बताओगे तो जान से मरवा दूंगा। भयवश पिता पुत्र चुपचाप उसके साथ बस से एक कंपनी में घुघुस चला गया। जहां 12 अक्तूबर 2025 को पिता पुत्र को कंपनी में काम पर लगा दिया और पिता पुत्र की निगरानी करने लगा। कंपनी में काम करने वाला व्यक्ति अगर चोरी छिपे भागने की कोशिश करता तो उसे अरविंद गुप्ता व कंपनी के लोगों द्वारा मारापीटा जाता था। घटना 10 नवंबर 2025 की है। जब उसके पिता सुरजमन चेरो चोरी छिपे घर भागकर आने की कोशिश कर रहे थे तो अरविंद गुप्ता ने उसके पिता को पकड़ लिया और साइड रूम में ले गया तथा कंपनी के लोगों की मदद से उनका गमछा से गला दबाकर हत्या कर दिया। उसके बाद मौके से अरविंद गुप्ता फरार हो गया। जब अरविंद गुप्ता के साइड रूम में गया तो वहां पर पिता की लाश पड़ी थी और अरविंद गुप्ता मौके पर नहीं मिला। तक इसकी सूचना कंपनी के सिक्योरिटी गार्ड को दिया और स्थानीय पुलिस की मदद से पिता की लाश सरकारी अस्पताल चंद्रपुर भेज दी गई। जिसका 12 नवंबर 2025 को पोस्टमार्टम कराया गया। उसी दिन शव एम्बुलेंस से घर लेकर पहुंचा और अंतिम संस्कार किया गया। घटना की सूचना कोन पुलिस को दिया,लेकिन कोई कार्रवाई नहीं कि गई। इसीबीच 28 नवंबर 2025 को अभियुक्त ने मोबाइल पर फोन कर धमकी दिया कि एक लाख रुपये ले लो और कहीं सूचना मत देना नहीं तो तुम्हें भी जान से मरवा दूंगा। पिता की हत्या साजिश कर अभियुक्तगणों ने किया है। 11 दिसंबर 2025 को घटना की सूचना एसपी सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक से भेजा, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब मजबूर होकर न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया गया है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने अधिवक्ता रोशनलाल यादव के तर्कों को सुनने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर गम्भीर प्र.ति का अपराध मानते हुए पुलिस द्वारा विवेचना कराया जाना आवश्यक मानते हुए प्रार्थना पत्र स्वीकार कर लिया। साथ ही कम्पनी के कांट्रेक्टर समेत पांच लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने के साथ ही सीओ से विवेचना कराने व परिणाम से न्यायालय को अवगत कराने का आदेश दिया है।

थाना पिपरी पुलिस को बड़ी सफलता, 01 महिला अभियुक्ता गिरफ्तार, 1.148 किग्रा नाजायज गांजा बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी के कुशल मार्गदर्शन में जनपद में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री व संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। शनिवार को समय लगभग 10रू30 बजे, प्रभारी निरीक्षक थाना पिपरी के नेतृत्व में उ0नि0 संजय सिंह, मय पुलिस टीम, देखभाल क्षेत्र व संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग हेतु रेलवे स्टेशन रेनुकूट के पास मौजूद थे। इसी दौरान मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर एक महिला को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर अभियुक्ता के कब्जे से 1.148 किग्रा नाजायज गांजा एवं बिक्री के द्य115/– बरामद किए गए। गिरतार अभियुक्ता की पहचान 'सुनीता देवी पुत्री शंखू धईकार, पत्नी छोटे धरिकार, निवासी चाचा कॉलोनी, वार्ड नं0.03, रेनुकूट, थाना पिपरी, जनपद सोनभद्र, उम्र करीब 40 वर्ष' के रूप में हुई है। उक्त बरामदगी के आधार पर थाना पिपरी जनपद सोनभद्र पर 'मु0अ0सं0 11/2026, धारा 8/20 छक्वै ।बज' के अंतर्गत अभियोग पंजी.त कर अभियुक्ता को न्यायालय भेजा गया।

दिव्यांगजनो को कृत्रिम उपकरण तथा दो पात्र अभ्यर्थियों द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के जमा गये गये फार्म

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0 एन. सिंह की जन–कल्याणकारी नीतियों और संवेदनशील पहल के अंतर्गत, तहसील घोरावल में आयोजित 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' केवल शिकायतों के निस्तारण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों के लिए वरदान साबित हुआ। जिलाधिकारी के विशेष निर्देशों पर तहसील परिसर में ही दिव्यांगजनों के लिए मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया था और वृद्धजनों को तत्काल पेंशन योजनाओं से लाभान्वित किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया था कि दूर–दराज से आए दिव्यांगजनों, पेंशन योजना, आयुष्मान कार्ड, निराश्रित महिला पेंशन, प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना के लाभार्थियों को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, उन्हें सम्पूर्ण समाधान दिवस में ही कैम्प लगाकर सरकार संचालित योजनाओं से लाभान्वित किया जाये। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आज मौके पर ही दिव्यांगजनों का परीक्षण कर तत्काल दिव्यांगता प्रमाण पत्र जिलाधिकारी के द्वारा उपलब्ध कराया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में दिव्यांगजन प्रमाण–पत्र प्राप्त लाभार्थियों के चेहरे पर एक अलग ही खुशी झलक रही थी और प्रशासन द्वारा की गयी

इस व्यवस्था पर उन्होंने काफी प्रसन्नता व्यक्त की। 4 लाभार्थियों को आज दिव्यांग प्रमाण–पत्र उपलब्ध कराया गया, 4 लाभार्थियों का वृद्धा पेंशन, 22 लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड, 5 दिव्यांगजनो को .त्रिम उपकरण तथा दो पात्र अभ्यर्थियों द्वारा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के फार्म जमा कराये गये हैं। योजनाओं का लाभः समाज कल्याण विभाग के स्टाल पर वृद्धजनों की समस्याओं को सुनते हुए, अपूर्ण आवेदनों को मौके पर ही दुरुस्त कराया गया, कई पात्र वृद्धजनों की वृद्धावस्था पेंशन को तत्काल स्वी.ति प्रदान करते हुए उन्हें योजनाओं से जोड़ा गया। त्वरित निस्तारण की मिशाल, जिलाधिकारी ने स्वयं कई फरियादियों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक बिना किसी विलंब के पहुँचना चाहिए, प्रशासन का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान उनके द्वार पर करना है। दिव्यांगजन और वृद्ध समाज के सबसे सम्मानित और संवेदनशील हिस्से हैं। उन्हें सरकारी दतरों की दौड़ न लगानी पड़े, इसीलिए 'सम्पूर्ण समाधान दिवस' को सेवा दिवस के रूप में परिवर्तित करने का प्रयास किया गया है। इस पहल से क्षेत्र के नागरिकों में हर्ष का माहौल है। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर दिव्यांग प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना, निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांग पेंशन, कन्या सुमंगला योजना, राशन कार्ड सम्बन्धित योजनाओं से जुड़े विभागों द्वारा शिविर लगाकर पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। स्थानीय जनता ने जिलाधिकारी के इस मानवीय .ष्टिकोण की सराहना की है, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और संवेदनशीलता का संचार हुआ है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर पुलिस लाइन चुर्क में होगी ब्लैकआउट मार्क ड्रिल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी न्यायिक रमेश कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश दिवस एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर पुलिस लाइन चुर्क में आयोजित होने वाले ब्लैकआउट मार्क ड्रिल के तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक की गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) श्री रमेश कुमार एवं चीफ डिप्टी कंट्रोलर श्री प्रदीप यादव ने कार्यक्रम की रूपरेखा तय की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए। अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस 2026 के गरिमामयी अवसर पर आगामी 23 जनवरी 2026 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में पुलिस लाइन चुर्क में आयोजित होने वाली ब्लैकआउट मार्क ड्रिल की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल उत्तर प्रदेश की स्थापना का उत्सव है, बल्कि महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान को याद करने का एक सशक्त माध्यम भी है। ब्लैकआउट मार्क ड्रिल पुलिस लाइन चुर्क में आयोजित होने वाली इस ड्रिल का उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का रिहर्सल करना और आम जनमानस में अनुशासन व राष्ट्र सुरक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करना है। समन्वय और तैयारीरू चीफ डिप्टी कंट्रोलर प्रदीप यादव ने बताया कि कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु पुलिस प्रशासन, नागरिक सुरक्षा (ब्अपस क्ममिदेम) और अन्य विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है। उन्होंने समयबद्ध तरीके से सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उत्तर प्रदेश दिवस एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती बैठक के अंत में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपनी–अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ करें ताकि ब्लैकआउट मार्क ड्रिल का यह विशेष आयोजन भव्य और प्रेरणादायक बन सके।

कानून–व्यवस्था को और सुदृढ़ करने हेतु पुलिस अधीक्षक का थाना घोरावल में औचक निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा शनिवार को थाना घोरावल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय अभिलेख, मालखाना, हवालात, शस्त्रागार, सीसीटीवी व्यवस्था तथा लंबित विवेचनाओं की स्थिति का गहनता से अवलोकन किया गया। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना घोरावल स्थित 'मिशन शक्ति केंद्र' का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महिला एवं बालिकाओं से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण, जागरूकता गतिविधियों तथा अभिलेखों की समीक्षा करते हुए

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में त्वरित, संवेदनशील एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय पुलिस अधीक्षक द्वारा थाने पर नियुक्त अधिकारी/कर्मचारियों को कानून–व्यवस्था को सु.ढ़ बनाए रखने, लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण, फरियादियों से शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार, रात्रि गश्त को प्रभावी बनाने तथा अपराध नियंत्रण हेतु सतर्क एवं सक्रिय कार्यवाही सुनिश्चित करने के स्पष्ट दिशा–निर्देश दिए गए। साथ ही महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित मामलों में विशेष सतर्कता बरतने, साइबर अपराधों पर प्रभावी निगरानी रखने तथा जनसुनवाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष बल दिया गया।

थानास्तर पर अभिलेखों के अद्यतन रख–रखाव एवं अनुशासनात्मक व्यवस्था को और अधिक सु.ढ़ करने के निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के अंत में पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया।

गरीब परिवार को बेघर करने के 11 दोषियों को 2–2 वर्ष की कैद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। करीब 25 वर्ष पूर्व जाड़े के महीने में एक गरीब व्यक्ति का घर गिरकर परिवार को बेघर करने के मामले में सीजेएम आलोक यादव की अदालत ने शनिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर 11 दोषियों को दो–दो वर्ष के कैद की सजा सुनाई। प्रत्येक पर साढ़े चार हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड की धनराशि जमा न करने पर एक–एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। तीन अभियुक्तों की दौरान विचारण मौत हो गई। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 25 हजार रुपये पीड़ित को मिलेगा। अभियोजन पक्ष के मुताबिक इजराइल अहमद पुत्र सुबहान निवासी परासी पांडेय, थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र ने 5 जनवरी 2001 को दी तहरीर में आरोप लगाया था कि गांव के लन्दर पुत्र शिवनाथ से 8000 रुपये देकर एक बिस्वा जमीन खरीद कर अपना कच्चा मकान बनवाकर उसमें परिवार बच्चों के साथ रह रहा था। 5 जनवरी 2001 को शाम 4 बजे उसके घर पर गांव के समई, प्रभु, हरी, सुरेश उर्फ गुड्डू,नरेश, मुन्ना,राजमनी, जियावन, गोपाल, कल्लू बेचू, रामसूरत उर्फ जगत्तर, वंशी व राममूरत चढ़ आए और परिवार व बच्चों को गाली देते हुए जान से मारने की धमकी देकर सामान घर से बाहर निकाल कर रख दिया और घर को गिरा दिया। जब रॉबर्ट्सगंज से मजदूरी करके शाम को घर पहुंचा तो इसकी जानकारी हुई। घटना को गांव घर के कई लोगों ने देखा व सुना है। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया और पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में विवेचक ने चार्जशीट दाखिल किया था। दौरान विचारण तीन अभियुक्तों राजमनी, बेचू व बंशी की मौत हो गई। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर गंभीर प्र.ति का अपराध मानते हुए दोषसिद्ध पाकर 11 दोषियों समई, प्रभु, हरी, सुरेश उर्फ गुड्डू, नरेश, मुन्ना, जियावन, गोपाल, कल्लू, रामसूरत उर्फ जगत्तर व राममूरत को दो–दो वर्ष की कैद की सजा सुनाई। प्रत्येक पर साढ़े चार हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड की धनराशि जमा न करने पर प्रत्येक को एक–एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 25 हजार रुपये पीड़ित को मिलेगा। अभियोजन पक्ष की ओर से वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी सतीश वर्मा ने बहस की।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

रोमांस की नई परिभाषा है एक दिन, साई पल्लवी के इश्क में डूबे जुनैद खान, केमिस्ट्री से जीता दिल

आमिर खान के बेटे जुनैद खान और साई पल्लवी स्टारर रोमांटिक ड्रामा फिल्म एक दिन का टीजर रिलीज हो चुका है. बीती 15 जनवरी को फिल्म का रोमांटिक पोस्टर सामने आया था. टीजर की बात करें तो इसमें जुनैद और साई के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री फील की जा रही है. फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. इसका निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और इसे मंसूर खान, आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है. कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर और जाने तूज् या जाने ना जैसी आइकॉनिक फिल्मों के बाद आमिर और मंसूर एक बार फिर साथ आ रहे हैं. एक दिन के टीजर में जुनैद खान और साई पल्लवी प्यार की फीलिंग और उसकी गहराईयों तक उतर रहे हैं. जुनैद खान जोकि साई के प्यार में डूबे नजर आ रहे हैं. साई के हर शब्द में जुनैद प्यार का मतलब ढूंढ रहे हैं और चेहरे से दर्शा रहे हैं कि साई उनके लिए कितनी मायने रखती हैं.

आमिर खान प्रोडक्शंस ने हमेशा दर्शकों को बेहतरीन और यादगार कहानियां दी हैं और दुनियाभर में अपार प्रेम प्राप्त किया है. इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अब बैनर पेश कर रहा है श्एक दिन्च्य, एक कोमल और भावनात्मक प्रेम कहानी, जिसमें बेहद प्रतिभाशाली साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे. यह फिल्म साई पल्लवी के बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड डेब्यू को भी चिन्हित करती है. फिल्म की पहली झलक जारी कर दी गई है, जो पर्दे पर साकार होने वाली एक मासूम और दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी की झलक देती है. एक दिन के फर्स्ट लुक में साई पल्लवी और जुनैद खान एक नई ऑन–स्क्रीन जोड़ी के रूप में दिखाई दिए. सर्दियों में दोनों सड़क पर चलते हुए नजर आते हैं, जहां उनकी गर्मजोशी, आकर्षण और सहज केमिस्ट्री साफ झलकती है. पोस्टर के साथ टैगलाइन दी गई है एक प्यार... एक मौका (एक प्यारज् एक मौका). इस पहली झलक ने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है. दर्शक पहले ही महाराज और लवयापा में जुनैद खान के दमदार अभिनय को देख चुके हैं. अब वह एक भावनात्मक प्रेम कहानी में नजर आने वाले हैं, जो इस प्रोजेक्ट को और भी खास बनाता है. जुनैद के साथ स्क्रीन साझा कर रही हैं साई पल्लवी, जो इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में अपनी बड़ी शुरुआत कर रही हैं. साई पल्लवी ने तेलुगु, तमिल और मलयालम फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से अलग पहचान बनाई है. वह साउथ की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं और देशभर के दर्शकों के बीच बेहद प्रिय हैं. आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी श्एक दिन्च्य में साई पल्लवी और जुनैद खान मुख्य भूमिकाओं में हैं. फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है और इसका निर्माण आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने किया है. फिल्म की कहानी स्नेहा देसाई और स्पंदन मिश्रा ने लिखी है. संगीत राम संपत का है और गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं. यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

ओ रोमियो से लेकर स्पिरिट तक, तृप्ति डिमरी के हाथ में कई बड़ी फिल्में, 2026 में छा जाने की है तैयारी

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी आने वाले समय में कई शानदार फिल्मों में दिखाई देंगी. नया साल तृप्ति डिमरी के लिए काफी बिजी और खास होने वाला है, क्योंकि उनके पास बॉलीवुड से लेकर साउथ और ओटीटी प्रोजेक्ट्स तक लाइनअप तैयार है.

तृप्ति डिमरी ने साल 2017 में आई श्रेयर तलपड़े की श्पोस्टर बॉयज्च्य से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की. इस फिल्म में वो सपोर्टिंग रोल में नजर आई थीं.

इसके बाद उन्हें 2018 की श्लैला मजनूंय में लीड रोल मिला, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस ने खूब तारीफें बटोरीं. फिर ओटीटी पर श्बुलबुल्च्य (2020) और श्कलाच्य (2022) से तृप्ति को क्रिटिकल फेम मिला. वहीं, रणबीर कपूर के साथ एनिमल (2023) में उनकी भूमिका ने उन्हें बड़ी पॉपुलैरिटी दिलाई और उन्हें श्नेशनल क्रशच्य

बना दिया. इसके बाद भूल भुलैया 3 (2024) और धड़क 2 (2025) जैसी फिल्मों से उनका करियर और मजबूत हुआ है. वहीं अब एक्ट्रेस कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आने वाली हैं. इनके पास प्रोजेक्ट्स की लाइन लग गई हैं.

बता दें, तृप्ति डिमरी शाहिद कपूर के साथ फिल्म ओ रोमियो में रोमांस करती नजर आएंगी. इस रोमांटिक फिल्म को विशाल भारद्वाज बना रहे हैं जो 13 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली है.

वहीं, एनिमल के बाद तृप्ति डिमरी एक बार फिर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म का हिस्सा बन गई हैं. अपकमिंग फिल्म स्पिरिट में तृप्ति साउथ स्टार प्रभास के साथ नजर आने वाली हैं. फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है, हालांकि अभी रिलीज डेट से पर्दा नहीं उठा है.

रिपोर्ट्स की मानें तो तृप्ति डिमरी ओटीटी प्रोजेक्ट मां–बहन का भी हिस्सा हैं. इस फिल्म में तृप्ति डिमरी माधुरी दीक्षित के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी. ये एक कॉमेडी–ड्रामा होगी जो साल 2026 में ही ओटीटी पर दस्तक दे सकती है.

इसके अलावा खबरें हैं कि, तृप्ति डिमरी लीजेंड्री एक्ट्रेस परवीन बाबी की बायोपिक में लीड रोल अदा करने वाली हैं. पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक इसे नेटफ्लिक्स के लिए एक लिमिटेड एडिशन सीरीज के रूप में बनाया जा रहा है. इस सीरीज को शोनाली बोस डायरेक्ट कर रही हैं जिसकी शूटिंग मार्च 2026 में शुरू हो सकती है.

ओटीटी पर धाक जमाने आई 120 बहादुर, अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई फरहान अख्तर की फिल्म

फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर की ग्लोबल स्ट्रीमिंग का ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म पिछले साल 21 नवंबर

को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। करीब 2 महीने बाद और गणतंत्र दिवस से ठीक कुछ दिन पहले निर्माताओं ने इसे ओटीटी पर स्ट्रीम कर दिया है। फरहान ने सोशल मीडिया पर खुद फिल्म की स्ट्रीमिंग से जुड़ी जानकारी साझा की है। रजनीश रेजी घई द्वारा निर्देशित 120 बहादुर भारतीय सैन्य इतिहास के एक यादगार अध्याय से प्रेरित है।

एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी 120 बहादुर को 16 जनवरी से अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध कराया गया है। हालांकि इसे देखने का लुत्फ सिर्फ वही लोग उठा सकेंगे जिनके पास सब्सक्रिप्शन होगा। आईएमडीबी पर इस फिल्म को 7.2 की रेटिंग दी गई है। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन कुछ खास नहीं था।इसने बॉक्स ऑफिस पर महज 20 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। फिल्म में फरहान के अलावा, राशि खन्ना और एजाज खान प्रमुख किरदार में हैं। 120 बहादुर 1962 के भारत–चीन युद्ध की रेजांग ला की ऐतिहासिक लड़ाई से प्रेरित एक वॉर ड्रामा है। फरहान इसमें मेजर शैतान सिंह भाटी का किरदार निभा रहे हैं, जिन्होंने 13 कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी के 120 भारतीय जवानों के साथ मिलकर 3000 चीनी सैनिकों का सामना किया था। माइनस 24 डिग्री तापमान में भारतीय जवानों के संघर्ष और बलिदान की गाथा को बड़े पर्दे पर बखूबी उतारा गया है। फिल्म में अंकित सिवाच और विवियन भटेना भी हैं।

विजय सेतुपति का फैंस को धांसू तोहफा, नई फिल्म स्लमडॉग–33 टेम्पल रोड के टाइटल संग एक्शन अवतार में फर्स्ट लुक आउट

पुरी जगन्नाध मक्कल सेल्वन विजय सेतुपति के साथ एक पैन–इंडियन फिल्म बना रहे हैं. यह फिल्म एक बार फिर सुर्खियों में है. मेकर्स ने आखिरकार टाइटल और फर्स्ट लुक रिवील कर दिया है. मेकर्स ने एक्टर विजय सेतुपति के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का टाइटल स्लमडॉग – 33 टेम्पल रोड अनाउंस किया है.

जगन्नाध ने सेतुपति के 48वें जन्मदिन के अवसर पर अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया और अपनी फिल्म के टाइटल से पर्दा हटाते हुए बताया कि उनकी फिल्म का नाम स्लमडॉग – 33 टेम्पल रोड होगा. पुरी ने फिल्म से विजय सेतुपति का फर्स्ट लुक भी दिखाया है. पोस्टर में विजय सेतुपति स्टाइलिश चश्मा पहने और हाथ में खून से सना हुआ एक बड़ा धारदार हथियार पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं. अभिनेता करेंसी नोटों से भरे लकड़ी के बक्सों के बीच खड़े नजर आ रहे हैं.

फर्स्ट लुक जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, झुग्गियों से एक ऐसा तूफान उठता है जिसे कोई रोक नहीं सकता. रॉ, बेरहम, असली. पूरी सेतुपति का नाम हैं स्लमडॉग – 33 टेम्पल रोड. हैप्पी बर्थडे मक्कलसेल्वन एक्टर विजय सेतुपति. तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी.

पिछले साल जुलाई में शूटिंग शुरू होने के बाद से ही यह फिल्म चर्चे में रही. यह पुरी जगन्नाध और विजय सेतुपति के बीच पहला कोलैबोरेशन है. इस जोड़ी को लेकर उम्मीदें हैं. इस फिल्म का निर्माण पुरी कनेक्ट्स बैनर के तहत किया जा रहा है और इसे जेबी मोशन पिक्चर्स और जेबी नारायण राव कोंड्रोला मिलकर चार्मी कौर द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा. इस फिल्म में संयुक्ता विजय सेतुपति के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी. फिल्म में तब्बू, विजय कुमार, ब्रह्माजी और वीटीवी गणेश भी हैं.

हम अक्सर कहते हैं, पैसा ही बोलता है और यही बात विजय सेतुपति की आगामी फिल्म गांधी टॉक्स में नजर आने वाली है. गांधी टॉक्स के मेकर्स ने विजय सेतुपति के जन्मदिन पर फिल्म का टीजर जारी किया है, जो काफी शानदार है.

इंस्टाग्राम पर गांधी टॉक्स का टीजर शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, एक सिक्के के दो पहलू, एक नोट के दो पहलू, एक कहानी के दो पहलू. कुछ कहानियां खामोशी मांगती हैं. गांधी टॉक्स एक खामोश वादा. एक जोरदार दस्तक. 30 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में.

टीजर में महात्मा गांधी की तस्वीर वाले भारतीय नोटों को दिखाया गया है, जिनका इस्तेमाल पूरे भारत में कई तरह के गुप्त लेन–देनों के लिए किया जा रहा है. विजय सेतुपति एक ऐसे व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं जो बमुश्किल तरीके से अपना जीवन यापन करता है और आर्थिक तंगी का सामना करता है.

मशहूर किशोर पांडुरंग बेलेकर की निर्देशित गांधी टॉक्स महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर 30 जनवरी को रिलीज होगी. फिल्म में विजय सेतुपति के साथ अदिति राव हैदरी, अरविंद स्वामी जैसे दमदार कलाकार भी हैं.

ब्रेड से सैंडविच के अलावा भी बनाकर खाए जा सकते हैं ये 5 लजीज व्यंजन

ज्यादातर लोग सुबह के नाश्ते में ब्रेड खाना पसंद करते हैं। यह कार्ब्स का बढिया स्त्रोत है और पेट भी भर देती है। आम तौर पर लोग या तो ब्रेड में मक्खन लगा कर खा लेते हैं या फिर उसका सैंडविच बना लेते हैं। हालांकि, इस खाद्य पदार्थ से सैंडविच के अलावा भी कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जा सकते हैं। आज के लेख में हम आपको ब्रेड के 5 लजीज पकवानों की रेसिपी बताने वाले हैं।

ब्रेड पोहा

ब्रेड पोहा बेहतरीन नाश्ता है, जो बच्चों को खास तौर से पसंद आता है। इसके लिए पैन में तेल गर्म करके उसमें राई, करी पत्ते और मिर्च भूनें। अब इसमें बारीक कटे प्याज, गाजर, शिमला मिर्च और बींस को अच्छी तरह भून लें। इसके बाद इसमें हल्दी और टमाटर डालकर पकने दें। ब्रेड को छोटे टुकड़ों में काटकर इसमें डालें। इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर और गरम मसाला मिलाएं। प्लेट में निकालकर इस पर नींबू का रस और धनिया छिड़कें।

ब्रेड लजानिया

ब्रेड लजानिया बनाने के लिए क्रीम, मक्खन, मैदा, चीज और सीजनिंग मिलाकर सफेद सॉस तैयार करें। इसके बाद शिमला मिर्च, गाजर, कॉर्न, प्याज, मशरूम, मिर्च और पसंद की सब्जियों को काटकर भून लें। इसमें मसाले और पिज्जा–पास्ता सॉस शामिल करें। एक बेकिंग डिश में ब्रेड की परत बिछाएं और ऊपर से दोनों सॉस और चीज भी डालें। एक–एक करके परत बनाते जाएं और लजानिया को बेक कर लें। ऊपर से चिली फ्लेक्स और ओरिगैनो जैसी सीजनिंग डालकर खाएं।

ब्रेड पिज्जा: पिज्जा खाने का मन करे तो झटपट ब्रेड पिज्जा बनाकर खा लें। इसके लिए पिज्जा बेस की जगह पर ब्रेड का इस्तेमाल किया जाएगा। ब्रेड के ऊपर मक्खन, पिज्जा–पास्ता सॉस, मेयोनीज और चीज स्प्रेड लगाएं। इसके बाद इसपर टमाटर, मशरूम, कॉर्न, पनीर, प्याज, शिमला मिर्च और ब्रोकली आदि रखें। ऊपर से मोजेरेला चीज डालें और सीजनिंग भी छिड़क दें। अब ब्रेड को तवे पर ढककर सेक लें और आपका ब्रेड पिज्जा तैयार हो जाएगा।

ब्रेड पकौड़ा: ब्रेड से बनने वाले पकौड़े चाय के साथ बहुत स्वादिष्ट लगते हैं। इसके लिए उबले आलू में मसाले मिलाकर एक जायकेदार फिलिंग तैयार करें। इसके बाद एक कटोरे में नमक, बेसन, पानी और मसाले मिलाकर घोल तैयार करें। 2 ब्रेड के बीच में फिलिंग भरें और उसे बेसन वाले घोल में डुबोएं। अब कढ़ाई में तेल गर्म करके पकौड़ों को तल लें। इन्हें हरी चटनी और सॉस के साथ परोसें।

ब्रेड ढोकला

ब्रेड ढोकला तैयार करने के लिए पहले ब्रेड के किनारे वाले भूरे हिस्से को काट लें। एक कटोरे में दही, ताजा कटा हरा धनिया, हरी मिर्च, नमक और काली मिर्च का पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को ब्रेड पर फैलाएं और ऊपर से दूसरी ब्रेड रख दें। तवे पर तेल गर्म करें और उसमें राई, हल्दी और करी पत्तों को भूनें। अब इस तड़के पर ब्रेड वाले ढोकले रखें और उन्हें दोनों तरफ से सेंकने के बाद चटनी के साथ खाएं।